THE MARRIAGE OF THE LAMB

मेमने का विवाह

धन्यवाद, भाई एडवर्ड प्रभु आपको आशीष दे, मित्रों शुभ संध्या।

‘‘फैलोशिप गिरजाघर’’ में आज रात्रि उपस्थित होने के लिए सचमुच सौभाग्य की बात है। आज दोपहर जब मैं यहाँ से गुजर रहा था मैंने देखा शब्द ‘‘फैलोशिप’’ [सहभागिता] मुझे बिल्कुल सही प्रतीत हुआ। भाई एडवर्ड मुझे अच्छा लगा। ‘‘फैलोशिप [सहभागिता] यह वह है जिसमें हम विश्वास करते हैं।

2. मेरे एक पुराने, मित्र, जो कि फिलहाल में ही प्रभु के पास चले गये हैं, आप में से अनेक लोग उन्हें जानते होंगे। डाक्टर एफ.एफ. बोसवर्थ। आप में से अनेकों जानते होंगे। वो यहाँ फिनिक्स में थे। मेरा विश्वास है कि एक समय मेरे साथ होंगे, एक बहादुर [Gallant] आत्मा थे। और वे थे... वो एक बूढ़े संत आदमी थे लेकिन उनका मजाकिया स्वभाव था। और एक बार उन्होंने मुझसे कहा, उन्होंने कहा... मैं सहभागिता पर बोलता रहा। और उन्होंने कहा, ‘‘भाई ब्रन्हम क्या आप जानते हैं कि सहभागिता क्या होगी है?’’

मैंने कहा, ‘‘ठीक है भाई, मैं ऐसा समझता हूँ भाई बोस्वर्थ।’’

3. उन्होंने कहा, ‘‘यह दो लोग जो कि एक जहाज़ में हो।’’ ऐसा, और यह ठीक है, एक का दूसरे के साथ कमरा बाँट लेना।

4. और मैंने देखा कि आप में से अनेकों ने जो उन्हें जानते थे, भाई बोसवर्थ को हाथ उठाए थे। उनको जानते थे, ऐसा जानकर हाथ उठाए, मैं कुछ कहना चाहूँगा आखिरी शब्द जो इस धरती पर अंतिम क्षणों में कहा गया। मैं उनको कुछ समय से जानता था और वह वहाँ सुसमाचार सुनाया करते थे और बीमारों के लिए प्रार्थना किया करते थे तब मैं पैदा नही हुआ था। तो आप सोच सकते हैं कि उनकी उम्र क्या रही होगी। प्रभु उनको जीवित रखे मैं सोचता हूँ पिचास्सी वर्ष या कुछ ऐसा और जब उनकी मृत्यु हुई तब तक वह साहसी वृद्ध व्यक्ति थे।

5. जब वह पिछहत्तर वर्ष के थे मेरा विश्वास है कि वो और मैं ‘‘एज़मँड होटल, मियामी में थे। और हमने अपना खाना खाया था और समुद्र के किनारे निकल आए थे जहाँ लहरे आ रहीं थीं कि चाँद को निकलता देखें। और तब मैं चालीस वर्ष का था, मेरे कंधे झुक गए थे, चलते हुए कुछ इस तरह और वह लगभग पिछहत्तर वर्ष के थे और बिल्कुल सीधे जैसे के उन्हें होना चाहिए था। मैंने उनकी ओर देखा और सराहना की और मैंने कहा भाई

बोसवर्थ, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ।''

उन्होंने कहा, ''भाई ब्रन्हम पूछिए।''

और मैंने कहा ''आप सबसे अच्छे समय कब थे?''

6. उन्होंने कहा, ''ठीक अभी''। ठीक, तब मुझे खुद पे शर्म आई और तब उन्होंने कहा, ''तुम भूल गये कि मैं एक छोटा बच्चा हूँ और एक पुराने धर में रहता हूँ'' उन्होंने कहा। और यह भाई बोसवर्थ थे।

7. जब मुझे मालूम हुआ कि वह प्रभु से मिलने जा रहे हैं। मैं तब लगभग अपनी कार का इस तरह दाँड़ा रहा था कि 'मियामी' तक पहुँच जाऊँ और उनसे मिलूँ। और मैं और मेरी पत्नी वहाँ पहुँचे.... भाई बोसवर्थ का परिवार और मेरा परिवार जो कि वर्षों से गहरे मित्र रहे हैं, हम अंदर जा कर उनसे मिले। वह पुराने योद्धा [Patriach] एक सोफे पर लेटे थे। और उन्होंने उसे छोटे, गंजे सिर को उठाया और छोटी, पतली बँहे मेरे इस तरह लिपट गई। आँसू मेरे गालों पर लुढ आए थे। मैंने उन्हें अपनी बाहों में भर लिया था। मैं चिल्लाया मेरे पिता, मेरे पिता इस्राएल के रथों और वहाँ के घुड़सवारों' क्योंकि यदि कोई बूढा व्यक्ति पेन्तेकोस्तलों में अपनी पहचान बनाता है तो वह भाई बोसवर्थ ही थे। वह सचमुच ऐसे थे वह एक खिला हुआ महान फूल थे।

8. और मैं आपको बता दूँ कि पहली चीज़ जो कि यह थी कि वह छोटा सा मज़ाक करते थे, आपको मालूम है।

और मैंने कहा भाई बोसवर्थ क्या आप ठीक प्रकार से हैं?''

9. उन्होंने कहा, ''नहीं भाई ब्रन्हम मैं बीमार नहीं हूँ, कहते है कि मैं अपने घर जा रहा हूँ।''

मैं कहता, ''अच्छा टीक है बढिया बात है''

10. हम ''मिशन फील्ड अफ्रीका'' में आए थे। वो और मैं। उन्होंने कहा, ''मैं इतना बूढ़ा हो गया था कि अधिक नहीं जी सकता'' उन्होंने कहा मैं घर जा रहा हूँ।'' मैंने कहा भाई बोसवर्थ आप क्या सलाह देंगे मुझे कि मैं क्या करूँ?''

11. और उन्होंने कहा कि, सुसमाचार में बने रहिए।'' और तब उन्होंने कहा कि जितना जल्दी हो सके उस कार्य की जगह पहुँच जाओ' मेरा यही सुझाव है।''

12. और मैंने कहा कि, ''भाई बोसवर्थ, एक बात और मैं आपसे जानना चाहता हूँ।''

उन्होंने कहा, ''भाई ब्रन्हम, वो क्या बात है?''

13. मैंने कहा, ''आपने अपने साठ वर्ष प्रभु के लिए उसकी सेवा में बिताए हैं या उससे अधिक'' आपका सबसे अधिक खुशहाल समय कौनसा रहा है?''

उन्होंने कहा, ''बिल्कुल अभी?''

और तब मैंने कहा, भाई बोसवर्थ, आप जानते हैं कि आप मर रहे हैं?''

14. उन्होंने कहा, ''मैं मर नही सकता। मैं बहुत साल पहले मर गया था।'' और मैं... उन्होंने कहा, ''भाई ब्रन्हम जब पूरी तौर पर मैंने पिछले साठ वर्षों में प्रेम किया और देखभाल की, मैं देख रहा हूँ कि प्रभु किसी भी समय द्वारा खोल कर मुझे अंदर ले लेगा।'

मैंने सोचा, *एक जीवन का गीत है*

सब महान व्यक्तियों का जीवन हमें याद दिलाता है
हम अपने जीवन को आदर्श बनाऐ,
जो कुछ है पीछे छूट जाता है रेत पर पदचिहनों की तरह
और उन्होंने निश्चित तौर पर पदचिहनों को मेरे लिए छोड़ दिया।

15. इससे पहले कि वो मरें, या महिमा में जाएँ, एक घंटे के लगभग, पहले, या इससे अधिक समय, वो इससे पहले जा चुके थे। वह एक प्रकार की कुछ घंटों के लिए गहरी नींद थी; उनकी पत्नी, उनके पुत्र तथा कुछ प्रिय जन घेरा बनाकर खडे थे और वो बूढे व्यक्ति जाग उठे, चारों ओर देखा, उठ खड़े हुए और जमीन पर चारों तरफ दौडे, अपनी माँ से हाथ मिलाया जो कि बहुत वर्ष पहले जा चुकी थीं और अपने पिता से मिले। और एक घंटे से अधिक उन्होंने लोगों से हाथ मिलाया, यह कहकर, ''यह भाई जॉन हैं, हाँ आप मसीह में मुझ से मिलने आए है, जूलियट हैं, इलिनाइस हैं यह वो भाई हैं...''। वो अपने उन लोगों से हाथ मिला रहे थे जो कि बहुत वर्ष पहले गुज़र चुके थे, बदल चुके थे।

16. मैं आपको बताता हूँ कि कभी-कभी जैसा मेरा विश्वास है कि जिस क्षण हम गुज़र जाते हैं इस पृथ्वी से दूसरी जगह में जाने के लिए. मेरा विश्वास है कि कभी वह नदी पार करना मुश्किल होता है जैसा भी है आप जानते हैं। मेरा विश्वास है कि प्रभु परमेश्वर कहता है हमारे प्रियों को, ''जाओ नीचे उस नदी तक और उसको वहाँ मिलो''। जैसा कि याकूब कहता है, किसी दिन हम इकट्ठा होंगे अपने लोगों से मिलने के लिए।

17. मैं स्वयं भी उस दिन की प्रतीक्षा में हूँ। और तब मैं इस उम्र से गुजर जाऊँगा या प्रभु परमेश्वर मेरे साथ यहाँ होगा, और मैं देखता हूँ कि मैंने उन सभी ऊँचाईयों को चार कर चुका हूँ और हर बाधा से गुज़र चुका हूँ और प्रत्येक पहाड़ पर चढाई कर ली है, और मुड़कर देखना चाहता हूँ कि कहाँ था। मैं उस नदी पर आ जाता हूँ।

18. मैं सदैव कहता रहा हूँ किसी प्रचलित कथा की तरह, कि एक गीत है जो कि वो गाते हैं ''मैं उस परेशानी को उस नदी के पास नहीं चाहता हूँ।'' मैं चाहता हूँ कि सब कुछ सीधा-सादा हो जाए।

19. केवल यह कि तलवार म्यान में रख ली जाए और सिर का कवच उतार दिया जाए उस समुद्र के किनारे, और मैं हाथों को ऊपर उठाया जाए और चिल्लाया ''पिता उस जीवन बचाने वाली नावों को ले आए। मैं इस सुबह घर आ रहा हूँ।'' वह वहाँ होगा आप चिंतित न हो। मेरा विश्वास है। मैं सोचता हूँ कि यह प्रत्येक हृदय की इच्छा होगी।

20. अब, सचमुच में यह बड़ा सौभाग्य है कि आज रात इस प्यारी कलीसिया तथा पास्टर के साथ हूँ और यह अद्भुत कार्य है और वो जो मसीह में सहयात्री है और फीनिक्स के अंतिम छोर पर हैं। सचमुच में जैसा कि हम सहयात्री हैं हम इस संसार में तीर्थयात्री और हैं, अजनबी है। हम एक देश की प्रतीक्षा हैं।

21. जैसा कि मैं आज सुबह कह रहा था भाई फुलर के प्रार्थना-भवन के विषय में जो कि एक राजकीय बीज [ऊँचे स्तर का] है। और अब यदि आपके पास टेप रिकार्डरस हैं मैंने कभी उनका जिक्र नही किया। लेकिन यहाँ कुछ घटित हुआ, आज सुबह, और मैं... यदि आपके पास टेप रिकार्डरस हों, यदि आपके पास एक टेप है, मुझे पूरा यकीन है कि आप इसे सराहेंगे। भाई मैक गवायर के पास वे हैं और ''अब्राहम का वह राजसी बीज'' देखिए?

22. अब्राहम का बीज था इज़हाक, जो कि प्राकृतिक रूप से यहूदी था। लेकिन राजकीय बीज था 'मसीह', वायदे के अनुसार वह था और वह 'मसीह' परमेश्वर के वचन का मानवीकरण था। और यह हमारा हृदय है कि आज हम... ''यदि मैं... वह मेरे साथ है और मेरे शब्द आप में हैं तब कहिए आप क्या कहते हैं और यह आप के लिए हो जाएगा।''

23. अब, मैं बताता हूँ कि फीनिक्स के विषय में, जब से मेरा पहली बार पैंतीस वर्ष पहले यहाँ आना हुआ था। और वहाँ 16 वीं हेनशॉ में मैं रहता था और कार्य करता था। सर्किल आर. एच, विकनबर्ग के बाहर। 16 वीं और हेनशॉ में मैं एक छोटी लड़की के साथ गया था। मैं उस जगह को देखने के लिए किसी दिन और यह वो हेनशॉ नहीं था, यह अब बकआय था। यह फीनिक्स में मेट्रोपोलिटन इलाके में एक महानगर है। सब कुछ बदल गया है।

24. मेरी पत्नी और मैं दक्षिण पहाड़ पर चले गये कि फीनिक्स को फिर से देखें। मैंने सोचा कि तीन सौ वर्षों पहले यहाँ पर कुछ नहीं था केवल कीकर या कैकट्स के अतिरिक्त और अब यह एक शानदार शहर है। अब मैं बोला, ''प्रिय यह परिवर्तित है या विकृत है? आप अपनी पसंद से कह सकते हैं। मेरे लिए यह विकृत या बिगड़ा हुआ रूप है। क्योंकि

यह बड़ी-बड़ी इमारतें और सुंदर आकार बहुत अच्छे है यदि स्त्री तथा पुरुष इधर-उधर गलियों, सड़कों पर आते जाते हाथ उठाकर परमेश्वर की तारीफ करते भाइयों तथा बहिनों के रूप में जीवन व्यतीत कर रहे हों, बजाय इसके कि वो शराब पिएं, जुआ खेलें, झूठ बोलें, चोरी करें बीयर पिऐं तथा जो भी बुरी बातें है उनको करें। इन के बीच में रहें आदि...।''

तब मेरी पत्नी ने मुझसे कहा, ''फिर, बिली, तुम यहाँ किसलिए हो?''

25. मैंने कहा, परन्तु प्रिय हम यहाँ पिछले पंद्रह मिनट से बैठे थे, कितने झूठ उस वादी में बोले गये? कितनी शपथें ली गई? लेकिन सब कुछ व्यर्थ था प्रभु के नाम में? कितनी सिगरटें पी गई? कितनी शराबें पी गई? कितने व्यभिचार किए गये यह सब पिछले कुछ क्षणों में हुआ, जबकि हम यहाँ पर थे?

उसने कहा, ''क्या यह सब बेहद शर्मनाक नहीं है?''

26. मैंने कहा यहाँ क्या है? हम यहाँ किस लिए है प्रिय? कितनी विश्वासयोग्य प्रार्थनाएँ ऊपर तक जा चुकी हैं जबसे हम यहाँ पर आये हैं? 'तुम जगत की ज्योति हो' इस लिए हम यहाँ पर हैं कि हम पर छोटी-छोटी कलीसियाओं की जिम्मेदारियाँ हमारे कंधों पर हैं, सब कुछ करने के लिए, इसको जारी रखने के लिए एक कोई हो...।''

27. आप सब जो कि संत हैं मेरे लिए आशीष है। मैं आशा करता हूँ कि मैं आपके लिए आशीष हूँ कि मैं यहाँ आया। मैं यहाँ आकर देखा जब मैं यहाँ भिन्न-भिन्न गिरजाघरों तथा संगठनों में गया और कलीसियाओं में पाया विभिन्न प्रकार के धार्मिक संगठन जो कि फीनिक्स की घाटी प्रदेश में पाये जाते हैं। मेरा हृदय दहल गया। वो एक सम्मेलन से पहले था जो कि एक मुझे कहना चाहिए कि ''मसीही जन व्यवसाय का सम्मेलन'' था। मैं सोचता हूँ कि शनिवार की सुबह का नाश्ता, फिर रविवार की दोपहर की सभा और फिर रविवार था। और सदा से यह सौभाग्य की बात रही है कि उन भाइयों से मिलूँ। मैं सोचता हूँ कि पच्चीस सौ कुर्सियों के लगभग होंगी। अनेकों कुर्सियाँ हम लोगों के लिए होंगी। मुझे आशा है कि वहाँ आपसे भेंट होगी।

28. और फिर यह समय है कि सहभागिता हो और एक से दूसरी कलीसिया की सहभागिता हो। मैं सोचता हूँ कि आज सुबह मैं प्रचार करता रहा जब तक स्वयं आवाज़ भरभरा नहीं गई यह एक या डेढ़ घंटे का सयम था। यह थोड़ा समय था। मैं घर के चर्च में अक्सर उससे अधिक तीन या चार घंटे बाहर नहीं आ सकता हूँ। मैं एक प्रचारक नहीं हूँ। अत: मैं परमेश्वर के सम्मुख प्रसन्नता से आवाज़ या शोर करता हूँ, ऐसा करना मुझे अच्छा लगता है। मैं ऐसा सोचता हूँ कि मुझे ऐसा करना अच्छा लगता है अत: मैं ऐसा ही करता रहूँगा।

मैं चार या पाँच प्रकार से भाव ज़ाहिर करने के तरीकों के द्वारा लोगों को देर तक रोके रखता हूँ और यह सच है मैं जानता हूँ। आज की रात, ईमानदारी के साथे क बजे तक यहाँ से बाहर होंगे। मैं इस विषय में पूरी तरह से निश्चित हूँ। और इस प्रकार से एक बहुत अच्छी अनुभूति हो रही है जिसके विषय में मैं निश्चित हूँ कि पवित्रात्मा हमें आशीष देगा।

29. अब, किसी सभा में मैंने कोई चंगाई सभा नही की है। मैं... एक रात भाई.... प्रभु यीशु के नाम में, उस भाई का क्या नाम है? पास्टर भाई आउटलॉ। भाई आउटलाँ के चर्च में अनेकों थे जो कि प्रार्थना करवाना चाहते थे। और मेरे पास अनेकों बेटे थे कि वो प्रार्थना कार्ड दे देते। और तब दो रातें पवित्रात्मा उतरा। जब तक... आप सब जानते हैं। आप मेरी उन सभाओं में रहे हैं। आपने देखा कि किस प्रकार जानने या जाँचने वाली सभाऐं हुई। लेकिन मैंने देखा कि कितने अधिक लोग थे जो प्रार्थना करना चाहते थे। मैंने देखा कि पहले बुधवार या ब्रहस्पतिवार से भी अधिक। मैंने सोचा कि मैं प्रतीक्षा करूँगा रविवार के बाद तक कि आप के चर्च में भी चंगाई सभाऐं हों।

30. आपने देखा कि मैंने सब जगह घोषणा की कि आप सब रविवार अपने जगहों तथा स्थानों पर रुकें। आपने देखा। यह विशेष सभाऐं भाईयों के साथ जाकर प्रार्थना के लिए थी। और हमने चाहा था कि सब अपने कार्य करने के स्थान पर हो क्योंकि आप के पास्टर आपकी प्रतीक्षा में हैं और आपको वहाँ होना चाहिए।

31. अत: कल रात मैंने सोचा कि प्रभु की इच्छा है। मैं ऐसा नहीं करूँगा... हमें कल रात्रि कहाँ होना चाहिए। [एक भाई कहते है ‘‘टेम्पे में भाई ओ-डोनेल के चर्च- सम्पा.] भाई ओ. डोनल अरीज़ोना, [चर्च टेम्पे।] अब, कोई विशेष चीज़ तो नहीं आपके चर्च में बीमारी के लिए, क्यों? मैं कल आने कली रात्रि बीमारी के लिए प्रार्थना करूँगा। अभी ही प्रार्थना पंक्ति एक रोज़ाना की तरह बीमारों के लिए हो, हो सकता है। सोमवार या हो सकता है मंगलवार। देखते है कि ऐसा हो सकता है। मैं नहीं जानता। क्या कोई चर्च बुधवार की रात भी है? [हाँ] बुधवार की रात। तब यह....

32. और यह बृहस्पतिवार है। क्या यह सही है? क्या महासभा है? [एक भाई कहता है, इसी प्रकार की है...?.... महासभा’’ सम्पा.] यह ठीक है भाई। वह भाई घोषणा कर देंगे। [देखिए, हम यहाँ आज रात है। कल रात टेम्पे में ‘असेम्बली ऑफ गॉड’ में होंगे। और फिर ‘माउन्टेन व्यू में और ‘सनीलोप’ में तेइसवीं तारीख को। और तब सेंट्रल असेम्बली में चौबीसवीं तारीख को होऊँगा। ठीक है, यह ठीक है।’’ [‘‘मैं याद नहीं रख सकता हूँ। स्वयं में एक प्रकार का सब कुछ इधर-उधर करनेवाला हूँ। क्या आपको ऐसा नहीं लगता।

33. मैं किसी विषय पर एक दिन बात कर रहा था, और याद नहीं रख सका। और भाई जैक मूरे ने मुझसे कहा ‘‘आप सोचते हैं कि यह बात बुरी है।’’ उन्होंने कहा।

34. मैंने कहा, ‘‘भाई जैक, मैं बात करता हूँ और याद नहीं रख पाता कि मैं क्या बात कर रहा था।’’

35. उन्होंने कहा ‘‘क्या आपको नहीं लगता यह बुरा है’’। मैंने फोन किया, और किसी से कहा कि कहिए आप को क्या चाहिए?’’ ठीक है, यह बहुत ही बुरा है’’? ओह....

36. तो, मेरे प्रभु, यह मज़ाकिया लगता है, जो कि मुझे यहाँ मंच से नहीं कहना चाहिए। लेकिन प्रभु के बच्चे खुश दिल बच्चे होते है, तो ठीक है, हम हैं हम ऐसे हैं। मैं सोचता हूँ कि एक प्रकार से यह एक मासूमियत है।

37. आप सब, अनेकों, भाई जैक मूरे को जानते हैं। वह लुसियाना के शरेवेपोर्ट, लाइफ टेबरनेकल से बहुत बढ़िया भाई हैं। और वह मुझे यह बता रहे थे। वह एक ठेकेदार भी हैं।

38. उन्होंने कहा, ‘‘क्या आप नहीं सोचते कि यह बहुत बुरा है भाई ब्रन्हम? कहा, ‘‘मैनें किसी को फोन करके उनको उनका नंबर बताया। और जब उन्होंने उत्तर में हेलो कहा, मैंने कहा, ‘‘ठीक है कहिए आपको क्या चाहिए?’’

मैंने सोचा, ‘‘कि भाई जैक यह बहुत गलत होता जा रहा है।’’

39. तो अब, मैं सोचता हूँ कि मैं ठीक हो जाऊँगा, और यह मित्र जो है वो प्रार्थना करें और बीमारों को यहाँ ले आएँ और तब हम उनके लिए प्रार्थना करें।

40. अब, रात्रि मेरे पास विचार है जो कि मुझे यहाँ इस छोटे, प्यारे चर्च में कहना है। मैंने सोचा कि मैं नहीं जानता हूँ कि क्या? मैं एक छोटा लेख ले लेता हूँ और प्रभु ही उसमें अपने शब्दों को मिलाएगा और यह जिस के लिए होगा, उसकी सहायता करेगा। ऐसा होने के लिए.... मैं कभी यह कोशिश नहीं करता हूँ कि एक लेख ले लूँ। मैं कोशिश करता हूँ कि आगे आऊँ और कुछ पवित्रशास्त्र में से इकट्ठा करूँ। और यदि प्रभु अगुवाई करे और प्रभु अगवुाई करे तो विभिन्न तरीके से और मैं आगे जाऊँ। और मैं सोचता हूँ कि हमें ऐसा करना चाहिए। क्या आप इसी प्रकार से नहीं सोचते?

41. और अब यहाँ एक बात है कि मैं चाहता हूँ कि चर्च के प्रत्येक जन यहाँ के सब निवासियों को बता दें। और वह यह है कि आप जब अपने पास्टर के लिए प्रार्थना कर रहे हों और अपने प्रियों के लिए प्रार्थना कर रहे हो तो मुझे न भूलें क्योंकि मैं ऐसा मानता हूँ कि हम उस राह में आगे तक आ रहे हैं।

42. और अभी कुछ हफ्तों पहले मैंने अपने माँ को दफनाया था। और अपनी बाहों में उठाया था जब तक कि प्रभु ने उनकी साँसों तथा प्राणों को स्वर्ग पर नहीं ले गया था। मैंने देखा उस साहसिक मृत्यु को जो कि पवित्रात्मा से भरी थी और उस राह के अंत तक जा रही

थी। मैंने सोचा ‘‘ओह, मैं – मैं हर माँ को ऐसा ही होना चाहिए। मुझे कुछ ऐसा करना चाहिए.... कुछ करना चाहिए मैं करूँ कि लोग देखें कि इंस का क्या सही अर्थ है?’’

43. और मित्रों, मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया गया कि यह कुछ गहरा प्रतीत हो सकता है। और मैं ऐसा सोचता हूँ कि हम इसे काफी हल्का लेते हैं जैसा कि यह वास्तव में क्या है? मैं समझता हूँ कि हमें इसे याद रखना चाहिए। यदि परमेश्वर सचमुच में इतना अधिक पवित्र है कि स्वर्गदूत भी उसकी दृष्टि में नहीं हैं, हम किस तरह से दिखाई देते हैं? देखिए? यह ठीक है। अत: हम याद रखना चाहते हैं और याद रखिए परमेश्वर एक रास्ता तैयार कर रहा है वहाँ अनंतता में जाने के लिए कि उस सौर मंडल में जहाँ सारे सूर्यगण ‘‘पवित्र, पवित्र, पवित्र’’ तथा स्वर्गदूत अपने पंखों से अपने चेहरों को और अपने पैरों को छिपा कर रखतें हैं। उसकी उपस्थिति में चिल्लाते है कि ‘‘पवित्र’’ हमें क्या होना चाहिए? तो हम... यह वह है जो हमें होने को कोशिश करना चाहिए।

44. और और मैं यह महसूस करता हूँ कि यह परमेश्वर का राज्य उस आदमी के समान है जिसने एक जाल लिया और समुद्र में चला गया। यीशु ने कहा कि जाल डालो। जब उसने जाल खींचा तो अनेकों प्रकार की मछली पाई। परन्तु अच्छी मछलियाँ थी। वास्तव में अच्छी रखीं गई थी। और दूसरी बेकार सी पानी में वापिस चली गई। जैसे कि क्रोफिश सर्पीली या फिर छिपकली और टेरापिन्स तथा अन्य। लेकिन सुसमाचार का जाल सब प्रकार को पकड़ता है। और हम हैं... वहाँ किसी दिन समय होगा कि हम आखिरी बार अपने जाल को डालेंगे भाई एडम्स। यह ठीक है। यह आप या मैं नहीं है कि यह कहे कौन सी मछली है और कौनसी नहीं है। हम नहीं जानते। हम केवल जाल डालकर खींच सकते हैं। केवल इतना ही कर सकते हैं। प्रभु ही स्वयं जानता है। जो हैं वो उन्हें पहले से ही जानता है। वह बुलाता है और वह जिनको बुलाता है उनको सच्चा भी ठहराता है, जिनको सच्चा ठहराता है उनका वह महिमा भी देता है। अत: हम प्रतीक्षा में हैं हमने जाल डाल दिए हैं। और आज रात यह मुझे सौभाग्य है कि मैं भाई एडवर्ड के चर्च में हूँ और सहायता कर रहा हूँ कि यहाँ जाल डाले जाएँ और यह देखने के लिए कि कोई मछली यदि है जिसे परमेश्वर के राज्य में होना है।

45. अब, इससे पहले कि हम वचन को पढ़े, हम इस वचन के लिखने वाले के विषय में बात करें। छोटी बात, हम अपने सिरों को झुकाएँ।

46. हमारे झुके हुए सिरों के साथ इन क्षणों की पवित्रता में, जिसमें हम जीवित परमेश्वर के वचन में जा रहे हैं, यदि कोई व्यक्ति या लोग हैं जिनके हृदयों में यह बिनती है कि उनको प्रार्थना में याद किया जाए। हाथ उठाकर यह दिखाऐं।

प्रभु यीशु, दर्शकों की ओर देखिए. उनके हृदयों को जानिए।

धन्यवाद,

47. अत्यंत दयालु और पवित्र परमेश्वर जो कि सर्वशक्तिमान है, अलशदाई है जो कि अब्राहम पर प्रकट हुआ 'सर्वशक्तिमान' जीवनदायी, सामर्थ्य का दाता, कमज़ोरों का पोषण करनेवाला पिता, हमारे लिए आता है। और हम अपनी कमज़ोरियों और गलतियों का अनुभव करते हैं। हम अपने पापों का अंगीकार आपके सामने करते हैं और आप की वेदी पर उसको किसी शर्म के बिना रखते हैं कि उनका न्याय हो सके, और माँगते हैं कि यीशु मसीह के लहु के द्वारा दूर हो जाए। उस कुर्बानी के द्वारा इसको स्वीकार कीजिए प्रभु।

48. हम अपने जीवनों तथा सब कुछ आपको देते हैं। और जो कुछ भी प्रतिभा हमको मिली है प्रभु उसको अपनी महिमा के लिए प्रयोग कीजिए।

49. इस कलीसिया को आशीष दीजिए। इसके अगुवा को, अधिकारियों, पूरे अध्यक्षगणों को, सारे सदस्यों को जो इस चर्च में सहभागिता के लिए आते हैं,न्हें आशीष दीजिए। मैं प्रार्थना करता हूँ उन स्त्री तथा पुरुषों के लिए जो उस दरवाजे से अंदर आते हैं कि वह अपने अपराधों को मान ले पवित्रात्मा के इस प्यारे नियमानुसार जो इस इमारत के अंदर चल रहा है, प्रभु ऐसा होने दीजिए।

50. हमारे अपराधों को और हमारे पापों को क्षमा कर दीजिए। इस प्रार्थना को हम दोहराते हैं। उनको याद रखिए जिन्होंने अपने हाथ उठाए थे। उन हाथों के नीचे उनका हृदय है जो कि आपसे कुछ निवेदन कर रहा है और वह केवल आप है जो कि उनको दे सकते हैं। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि हे पिता इसको आप स्वीकार करें। जो कुछ भी उन्हें चाहिए आप उन्हें बहुतायत से दीजिए। जो बीमार है उनको चंगाई दीजिए। जो राह में गिर पडे है उनके कमजोर कांपते घुटनों में बल दीजिए। एक आधार जो टूटता नहीं या एक धुँआधार रेशा जिससे उनको प्यास बुझ सके। और हम जानते हैं कि वो कभी नहीं आएँगे जो कि खोखली शिराएँ हैं वो इसके लिए बने हैं और मैं प्रार्थना करता हूँ स्वर्गीय प्रभु यदि कोई टूटी हुई आत्मा था असहासी या कंपकंपाता हुए हाथ या घुटनों पर आपसे विनती कर रहे हैं, काश कि वो आज रात ऊपर उठाए जाएँ। काश, आज पवित्रात्मा आए और उन हृदयों तथा आत्माओं को चंगा करे और शारीरिक रूप से भी और हम सारी प्रशंसा, स्तुति 'उसको' देंगे। हम यह यीशु के नाम से माँगते हैं, आमीन।

51. यदि आप पवित्रशास्त्र से पढ़ना चाहते है लगभग तीस मिनट की बातचीत के लिए, तो मैं प्रकाशित वाक्य की पुस्तक में से 19वें ध्याय में से आपके लिए पढना चाहता हूँ और 7वीं आयत तक पढ़ना चाहूँगा।

इसके बाद मैंने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ को ऊँची आवाज़ में यह कहते सुना, हल्लिलूय्याह, उद्धार, महिमा और सामर्थ हमारे परमेश्वर ही की है।

उसके निर्णय ठीक और सच्चे है। उसने उस बड़ी वेश्या को जो अपने व्यभिचार से पृथ्वी को भ्रष्ट करती थी दण्ड दिया है। उससे अपने सेवकों को हत्या का बदला लिया है।''

फिर दूसरी बार उन्होंने कहा, ''हल्लिलूय्याह! उसके जलने का घुँआ युगानुयुग उठता रहेगा।''

चौबीसे धर्मवृद्धों और चारों प्राणियों ने भूमि पर गिरकर परमेश्वर को दण्डवत किया, जो सिंहासन पर बैठा था। उन्हांने यह कहा, आमीन, हल्लिलूय्याह

सिंहासन से एक आवाज़ सुनाई दी ''परमेश्वर से डरने वाले सेवकों, छोटे बड़े तुम सब उसकी स्तुति करो।

फिर मैंने बड़ी भीड़ की आवाज़ मानो बहुत जल का सा - शब्द, अथवा गर्जनों का - सा बड़ा स्वर सुना। हल्लिलूय्याह! प्रभु हमारा परमेश्वर सर्वशक्तिमान राज्य करता है।

आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और हम उसकी स्तुति करें। क्योंकि मेमने के विवाह का समय आ पहुँचा है। उसकी दुल्हन ने स्वयं को तैयार कर लिया है।

52. आज रात मैं ''मेमने के विवाह'' के विषय में कुछ क्षणों के लिए बोलना चाहूँगा। हम इस पुस्तक से अच्छी तरह परिचित है। इसमें कोई शंक नहीं कि आपके प्यारे पास्टर भाई ने इस विषय को अनेकों दफा लिया होगा।

53. और वह, हम जानते हैं कि एक दुल्हन होगी और एक ब्याह का भोज होगा जो कि बादलों पर होने जा रहा है। और वह इतना ही सत्य और निश्चित है जितना कि प्रभु है क्योंकि यह उसका ही वचन है। और हम यह जानते है कि वो जो कि दुल्हन में शामिल होने वाले हैं और उसकी एक कलीसिया होंगे, वे 'उसके' सामने प्रकट होंगे, जिसमें कोई दाग या कोई झुर्रियाँ न होंगी। उनके पास कोई साज-सामान इस पृथ्वी पर होगा कि वह स्वयं को तैयार करे। यदि आपने ध्यान दिया है तो यह कहा गया है, 'वह स्वयं को तैयार कर लिया है।''

54. बहुतों ने कहा है, ''यदि परमेश्वर मुझसे इस दुष्टात्मा को दूर कर देता है, शराब पीने से, जुआ खेलने से, झूठ बोलने से या चोरी से तो मैं उसको सेवा करूँगा।

55. परन्तु यह आप पर निर्भर है। आप को भी कुछ करना है। वो जो इस पर जय पाए वो इन सब चीज़ों के उत्तराधिकारी होंगे।'' वो जो कि जय पाऐं। आपके पास शक्ति है कि आप इसे कर सकें। लेकिन आपको करने का इच्छुक होना होगा। देखिए? उसने स्वयं को तैयार कर लिया है।'' मुझे यह वचन अच्छा लगा।

56. आप देखिए, कि परमेश्वर ने हमको किसी संकरे पाइप में नहीं डाला है और दूसरे अंतिम छोर से बाहर निकालकर कहा ''धन्य है वे जो जय पाए।'' आपको जय पाने के लिए कुछ नहीं करना है। वह केवल आपको उसके अंदर होते हुए निकालता है। परन्तु आपको अपने लिए निश्चित करना है। मुझे अपने लिए निश्चित करना है। इस तरह से करके हम अपना विश्वास तथा आदर प्रभु के प्रति दिखाते हैं।

57. अब्राहम को एक बालक के लिए वायदा किया गया था। परन्तु उसे इस वायदे को पच्चीस वर्षों तक कायम रखना चाहे कोई भी आजमाइशें उन पच्चीस वर्षों में उसे ऊपर या नीचे तक हिला दें। परन्तु वो उस वायदे पर बना रहा।

58. और इस्राएल के साथ वायदा किया था कि एक 'वायदा किया हुआ देश' था। परन्तु उनको हर एक इंच के लिए युद्ध करना था। यहाँ तक भी तुम्हारे जूते का तला पड़े वो मैं तुम को वे दूँगा।'' प्रभु ने यहोशू से कहा, यह सब कुछ वहाँ था। वह स्थान वहाँ पर था और प्रभु ने वह उनको दे दिया था परन्तु उनको इसके लिए लड़ना था।

59. इसी प्रकार से यह अलौकिक चंगाई के लिए भी है। प्रभु के पास आपको चंगा करने की शक्ति है, यदि आप के पास इसका स्वीकार करने की हिम्मत है लेकिन प्रति एक इंच के लिए आप को लड़ना होगा।

60. प्रभु के पास अद्भुत दया है कि वह आपको बचा ले। और वह इसको करेगा परन्तु आपको इसके लिए प्रति इंच लड़ना होगा।

61. मैं इस प्रचार मंच के पीछे इकतीस वर्षो से हूँ और प्रत्येक इंच लगातार इसके लिए लड़ाई लड़ी गई। ऐसा निश्चित रीति से हुआ।

62. ''परन्तु यदि हमें राज्य करना है तो हमें लड़ाई करनी होगी।'' तो हम खोजे कि दुल्हन को अपने को तैयार करना है। ''हर तौर से वहाँ तक पहुँचने के लिए इच्छुक रहे जो कि पहले से ही आसान कर दिया गया है। वह दौड जो कि हमारे सामने है उसे हमको धीरज से दौड़ना है।'' हमें स्वयं को उसी मार्ग पर रखना है। हम कह सकते हैं ''प्रभु आप आइये और हमारे लिए उनको दूर कीजिए।'' हमें यह स्वयं ही करना है।

63. अब मैं उस विवाह के बारे में सोचता हूँ। मुझे कुछ थोड़े से ही लोगों के विवाह करने का सौभाग्य मिला है। और मैं सोचता हूँ कि जब मैं एक जवान स्त्री या पुरुष को वेदी पर

लाता हूँ और उन्हें चर्च के अंदर आते हुए देखता हूँ और 'वह' [स्त्री] अपने शादी के लिबास को पहने हुए सुंदर लगती है और वह झीना पर्दा जो कि उसका चेहरा ढके होता है वह लटका है, और दूल्हा सुंदर तौर से सजा हुआ, उत्साह से भरा हुआ, और वे दोनों चलते हुए अपने जीवन का समय में जो सबसे अधिक उत्तम रहा है उसमें विवाह के उन वायदों को करते हैं। मैं सोचता हूँ कि कुछ मधुरता उसमें है। इसमें कुछ पवित्रता है जो क्योंकि यह मुझे याद दिलाता है कि किसी दिन एक और बड़ा विवाह होगा। जब मसीह की दुल्हन महिमा के गलियारों से गुजर कर आएगी।

64. वो दूल्हा पूरी तरह से तैयार होगा। वहाँ एक विवाह होगा और एक भोज होगा। हमें कितना अच्छा लगता है कि हमसोचे कि मेज़ के पास एक दूसरे के सामने बैठे हों, और एक दूसरे से हाथ मिला रहे हैं और आँसू हमारे गालों पर बह रहे हैं। और सोचे कि वह आएगा और हमारी आँखों से आँसुओं को पोछेगा और कहेगा, ''मत रोओ, यह सब कुछ समाप्त हो गया है। परमेश्वर के आनंद में प्रवेश करो जो इस जगत की उत्पत्ति से तुम्हारे लिए तैय्यार किया गया है।'' आह भाई! वह हमें एक दूसरे से और अधिक प्रेम में डाल देगा।

65. मैं सोचता हूँ कि चर्च में, दुल्हन के अंदर क्या बात है, जो कि मसीह में विश्वास करते हैं। यह चर्च की इमारत नहीं है और न ही कोई संगठन है या नामधारी गिरजे, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर चर्च के अंदर जो कि दुल्हन को बनाती है।

66. मेरे एक मित्र हैं जो लूइसविले, कैंटकी में रहते हैं डा. वैलेस काब्ल जो कि एक चर्च में मसीह कीं सेवा में थे वो आए थे और पवित्रात्मा को ग्रहण किया था और वो पदरी जो कि लुइसविले के एक बडे चर्च में जो कि 'ओपन चर्च' नाम से है। वो मेरे बड़े अच्छे मित्रों में से हैं। और कुछ दिन पहले मैं सड़क पर खड़ा था और उनको आते हुए देखा। मैं उनको प्यार करता था और वो मुझे प्यार करते थे।

67. लेकिन एक दिन उनके गले की ग्रंथी की शल्य चिकित्सा हुई और उनकी अत्याधिक रक्त स्त्राव हुआ कि उनकी मृत्यू हो गई। वो उनको सेंट जोज़फ अस्पताल में ले गये जहाँ यह कहा गया कि वह मर रहे हैं। श्रीमती मैक स्पेडन ने मुझे फोन पर कहा, ''डा. वैलेस कॉबल।'' मैं उनको तब नहीं जानता था लेकिन 'ओपन डोर' नामक चर्च था। उन्होंने कहा कि ''वह मर रहा है। डाक्टर उनको वह सबकुछ तेज़ असर की चीजें दे चुके है और उन्होंने अंदर टाँके लगाए हैं। उनका खून रुकेगा नहीं आप जानते हैं कि उनका खून बहना बंद होना है। वहाँ इस काम को करने के लिए लोग है और वे चाहते है कि आप आकर उनके लिए प्रार्थना करें।''

68. ठीक है मैंने डा. वैलेस कॉबल के विषय में सुना और मैं कुछ इसी प्रकार के धीरे - धीरे लेकिन वहाँ पर पहुँचा। और जब मैं वहाँ पहुँचा तो देखा कि हॉस्पिटल के अंदर काम

करने वाले मिशनरी और बडे-बडे मिशनरी वहाँ अंदर है रो रहे हैं और प्रार्थना कर रहे हैं। और मैंने सोचा, ‘‘ओह! मेरे प्रभु मैं तुच्छ, एक छोटा पवित्र क्या अंदर की ओर चलता हूँ? मैं बाहर की ओर रुका रहूँ तो बेहतर होगा।’’ इसलिए मैं कोक बनानेवाली मशीन के पीछे की ओर बडे कक्ष में रहा। मैंने परमेश्वर से प्रार्थना कि खून का बहना बंद हो जाए उस भाई कॉबल के लिए। मैं वापिस आया और बाहर आ गया।

69. पंद्रह मिनट के बाद मैं घर के अंदर था फिर से फोन की घंटी बजी और जानना चाहा कि मुझे क्या देर हुई कि वहाँ नही था। और मैंने कहा ‘‘मैं – मैं आता हूँ। लेकिन वहाँ अंदर अनेक लोग थे। मैं– मैंने समझा कि मैं किस प्रकार अंदर जाऊँ हो सकता है वहाँ मैं अनेकों है और बड़े सेवक अंदर है।’’

70. उन्होंने कहा, ‘‘अभी ही आ जाइए।’’ ‘‘वह व्यक्ति एक क्षण से अधिक जीवित नहीं रह सकता।’’

71. अत: मैं वहाँ फिर से गया। और जब मैं अंदर गया तो एक कैथोलिक नर्स यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्त्ता के रूप में मानने को कोशिश कर रही थी। और उनको खून बह रहा था उनके मुँह से बहुत अधिक खून बाहर की ओर बह रहा था। मैं अंदर की ओर गया।

और उन्होंने कहा, ‘‘आप कैसे है?’’

72. फिर मैंने कहा, ‘‘आप कैसे हैं?’’ वह बिस्तर पर बैठे थे और खाँस रहे थे कि खून बह रहा था।

उन्होंने कहा, ‘‘आपका नाम क्या है?’’

और मैंने कहा, ‘‘भाई ब्रन्हम’’।

73. उन्होंने रोना आरम्भ कर दिया मेरे चारों ओर बाहों का घेरा बनाकर मैं वहाँ घुटनों के बल बैठ गया।

74. अब, यह डाक्टर वैलेस कॉबल जो कि ‘ओपन डोर’ लुइसविले चर्च के थे। एक शब्द में ही केवल। उसी क्षण खून बंद हो गया। और फिर कभी नहीं हुआ, उसी समय से देखिए? और हम तब से बहुत ही घनिष्ठ मित्र हो गये। फिर किसी दिन मैं उनसे मिला। और उन्होंने कहा...

75. आसवल्ड जे. स्मिथ आप में से अनेकों भाई स्मिथ को जानते है। वे बड़े मिशनरी हैं और वे भाई कॉबल के पास आते हैं क्योंकि वे उनको पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, ‘‘भाई कॉबल आप जानते है’’ उन्होंने कहा, ‘‘मैं...’’ कुछ उनकी पत्नी के विषय में। उन्होंने कहा

'''जब मैंने विवाह किया'' कहा ''मैंने सोचा कि क्या मैंने कोई गलती की है, मैं ओह, मैं दूसरी बार कर लूँगा'' क्योंकि वह जवान थे। परन्तु, कहा, ''बच्चों के आने के बाद कहा कि तब यह अधिक मुश्किल था कि उसके बिना रह सकूँ। और फिर तब जब आप पचास वर्ष की आयु के होते हैं तब आप उसके बिना कुछ नहीं कर सकते हैं। और जब आप बूढे हो जाएँ तब आप ऐसा कुछ महसूस क्यों करते हैं।''

मैंने कहा, ''मैं सोचता हूँ कि यह सही है।'' मैं था....

76. क्या विषय है जो कि निकल आता है और आप जानते हैं कि स्त्रियाँ खरीदारी करती हैं मेरी पत्नी उनमें से एक है। और वो इन सब की मलिका है। वह सारा समय उसी में रहना चाहती है। मेरे विचार पैर लगभग मुझे मार डालते हैं कि मैं उसके साथ सड़कों पर घूमता हूँ। मुझे बताया गया कि, ''आप यह उसके बगैर नहीं कर सकते हैं।'' और किस प्रकार यह कथन आता है।

77. और तब जब मैं घर गया, मैं कमरे में बैठा हुआ सोच रहा था, ''यह ठीक है,'' मैंने इसको किसी दूसरी चीज़ पर लागू किया था।

78. आप जानते है कि जब पहले परिवर्तित हुआ था और एक बैपटिस्ट मिशनरी प्रचारक के रूप में था, मैं सोचता हूँ ''यदि कोई व्यक्ति एक बैपटिस्ट नहीं था तो वह बच नहीं सकता। यह था जो कि सब कुछ था।'' और मैं ने अपना बाइबल बगल में दबाकर सोचता था कि परमेश्वर ने मुझे प्रत्येक व्यक्ति को बैपटिस्ट बनाने के लिए बुलाया है। ''प्रत्येक व्यक्ति इस प्रकार विश्वास नहीं करता जैसे कि एक बैपटिस्ट विश्वास करता है। वे सब इस प्रकार के दृश्य में नहीं आते।''

79. और दिन बीतते गये, मैंने सोचा कि यही सब वह कार्य है जो कि मेरे करने के लिए था। और मुझे मालूम हुआ कि मैंने ध्यान दिया एक कोई अन्य भाई जो कि एक चर्च का पादरी था। वह भी उतना ही अधिक कठिनाई से आया जितना कि मैं आया। अंत में, आप जानते हैं कि यह बात उसकी ओर ही अधिक जाती हुई प्रतीत हुई।

80. तब हमें मालूम हुआ कि हमें एक दूसरे की आवश्यकता है। और अब हम जब इसको शुरू करने के बाद बहुत दूर तक आ गये हैं। और अब यह एक प्रकार से कठिन ही है कि एक दूसरे के बगैर कार्य करें। यह सब है। हमें एक दूसरे के साथ होना है, वह और मैं ऐसा विश्वास करता हूँ कि यह पेन्तेकोस्तल जागृति है। मैं यह देखकर खुश हूँ कि वे असमानता की रुकावटें टूट रही हैं वे प्रभु के बडे चर्च एक दूसरे की सहभागिता में एक दूसरे के अंदर विलीन हो रहे हैं। इसका अर्थ है कि विवाह नजदीक आ रहा है। और वे पत्थर टूट रहे हैंजैसे उन्हें होना चाहिए और उनकी एक जगह उस इमारत में कहीं पर है यदि वो परमेश्वर के पत्थर हैं।

81. अब, ‘विवाह’ उस प्रकार का ही एक है। इस पृथ्वी का विवाह ही इस प्रकार का स्वर्गीय विवाह है। अब, आइए इस विषय पर चलते हैं, कुछ क्षणों के लिए इसके एक अभ्यास के क्षण के रूप में लें।

82. पहली बात यह है कि एक निर्णय होना चाहिए। पहली बात एक वास्तविक विवाह एक निर्णय है जो कि किया जाना है। एक युवती को अपना निर्णय लेना है कि वह इस युवक को चाहती है और युवक को कि वह युवती को चाहता है। एक निर्णय का होना आवश्यक है। और आपको ऐसा करना है। उस स्त्री को केवल एक अकेली ही इस संसार में होना चाहिए कि वह आपको प्रेम करे। और उस पुरुष को केवल मात्र होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं है तो आपने यह गलत निर्णय लिया है।

83. और वह ही यह तरीका है जो कि यीशु के विषय में निर्णय लेने का है। पहली चीज़ वो यह है कि जो करना चाहिए कि स्वयं को मानसिक तौर पर तैयार करें कि आप प्रभु की सेवा करने जा रहे हैं और ‘उसको’ अपने उद्धारकर्त्ता के रूप में लेने जा रहे हैं या आप ऐसा करने नहीं जा रहे हैं। क्या आप मसीह की सेवा करने जा रहे हैं? आप को स्वयं को मानसिक रूप से तैयार करना है। एक निर्णय लिया जाना है। जब आप मानसिक रूप से तैयार हो कि या तो आप प्रभु की सेवा करेंगे या किसी जीव की, तब आप उनमें से चुन लें। लेकिन निर्णय होना चाहिए।

84. और तब, निर्णय लेने के बाद, आप और फिर एक संजोग होता है। वह, तब आप वेदी पर होते है। आपको एक गठबंधन में बंधना है इससे पहले कि आप एक हो जाऐं। और यह वह तरीका है जो कि मसीह के साथ है उसके चर्च का यीशु के साथ है। यह एक गठबंधन या सगाई है यीशु मसीह के साथ, एक प्रतिज्ञा, एक सगाई, एक प्रेम प्रसंग।

85. और तब, अगली बात है कि वायदा किया जाता है। वह है कि वायदों का एक दूसरे से किया जाना है। आप जो कि वायदों को करते हैं। ‘‘प्रिय, तुम मुझसे विवाह करोगी, तो मैं तुमसे वायदा करता हूँ कि तुम्हारे प्रति सच्चा और विश्वास योग्य बना रहूँगा। मैं किसी दूसरी स्त्री की ओर देखूँगा नहीं।’’ या ‘‘मैं किसी दूसरे पुरुष की ओर नहीं देखूँगी। और – मैं एक पत्नी की तरह सब कर्त्तव्यों को करूँगी। हमारे बच्चे होंगे। मैं एक माँ की तरह सब कर्त्तव्यों को करूँगी। मैं एक घर संभालनेवाले की तरह होऊँगी । यह सब वायदे हैं जिनको किया जाना है या किया जाना चाहिए जो कि एक सही विवाह के रूप में हैं।

86. और वह वहीं बात है जब आप मसीह में आते हैं। ‘‘प्रभु यदि आप मुझे स्वीकार करते हैं अपने राज्य के लिए मैं वायदा करता हूँ।’’ आप वहाँ हैं। ‘‘मैं आपसे प्रेम करूँगा। मैं आपके प्रति सच्चा बिना रहूँगा। मैं आप को सेवा करूँगा दिन हो या रात हो।’’ यह

अत्यंत बुरी बात है कि हम इसे भूल जाते हैं। ''मैं आपको सेवा करूँगा दिन या रात। मैं उपवास करूँगा, मैं प्रार्थना करूँगा। मैं आपके प्रति वफादार बना रहूँगा। मैं आपके भंडार में अपना दशवाँश लाऊँगा। मैं, मैं करूँगा। मैं प्रार्थना करूँगा। एक दिन में अनेक बार प्रार्थना किया करूँगा। मैं करूँगा, मैं कुछ भी करूँगा। और मैं प्रतिज्ञा करता हूँ पूरी रीति से आपको प्रेम करूँगा।'' यह है जो होना चाहिए। यह सही तौर पर जो कि आप वायदे करते हैं। और यह आपके हृदय से निकलने चाहिए।

87. यदि आप अपने पति से यह वायदा करती हैं और हृदय से नहीं करती तो यही है कि आप उसके साथ सही रीति से नहीं रह रही हैं। यह एक प्रकार का साफ दिखने वाला उस प्रकार का विवाह है जिसमें केवल शारीरिक संबंध होता है।

88. देखिए यहाँ, यदि आपके दाँत नहीं होते हैं तो आप झूठ मूठ के दाँत प्रयोग करते हैं, यह सही है। यह उसका एक विकल्प है जैसे कि आपके दाँत कभी थी। लेकिन वास्तविक रीति से वो दॉत आपके शरीर से संलग्न नहीं हैं। वह आपका अंग नहीं है। यदि आपका एक हाथ कट जाए तो आप एक झूठमूठ का हाथ लगा लेते हैं, ठीक है, वह बाँह आपके शरीर से संलग्न नहीं है। वह तो केवल आपके साथ सटा दी गई है। देखिए? वह आपके साथ संलग्न नहीं है।

89. और तब जब आप मसीह से प्रतिज्ञा करते हैं, यदि हम उसका हिस्सा नहीं बनते उस स्त्री के समान जो अपने पति का हिस्सा बनना चाहिए और एक आदमी को एक स्त्री का हिस्सा बनना चाहिए। और तब हम एक बनावटी मसीही हैं। हम वास्तविक नहीं हैं। आप सचमुच में उस स्त्री से विवाहित नहीं हैं। आप ईमानदार हो सकते हैं। यदि आप अपने पति को प्रेम नहीं करती है और वो साठ या सत्तर वर्ष का है और आप उसको प्रेम नहीं करती जैसा कि आपने शुरु में किया था तब आप सचमुच में केवल उसके बच्चों को ही बड़ा कर रही हैं।

90. और यही कारण है कि आज बहुत अधिक कलीसियायें हो गई हैं। हम केवल मात्र ''मसीही चर्च' का नाम मात्र रह गये हैं और 'दुल्हन' होने का दिखावा कर रहे हैं। जबकि यह बनावटी है। हम मसीह से किसी भी रूप में जुडे हुए नहीं हैं। हम एक नकली दाँत, नकली बाँह या नकली आँख की भाँति हैं। देखिए? यह उसकी तरह नकली या बनावटी है जिसको हमने ऊपर से लगा रखा है। ठीक है, आप मसीहत पर इसे लगा नहीं सकते। आपको इसे उसके साथ जुड़े रहना है।

91. और तब चर्च जो कि बनावटी मात्र है मसीह का चर्च कहलाता है। ठीक है, वे बच्चे तब वहाँ नहीं होते। वह उसके उत्पन्न किये हुए उसी के संगठन के उत्पन्न किए हुए होते है। केवल मात्र... वे यीशु मसीह के बच्चे नहीं है। वे नामधारी बच्चे हैं और यीशु मसीह के बच्चे नहीं हैं।

92. और यदि कोई स्त्री जो कि पुरुष से जुड़ी नहीं है सच्चाई के साथ जुड़ी हुई नही है तब वह उसका पति नहीं है। यह केवल एक आदमी है उसने स्त्री ने उसके साथ रहने की कसम खाई है और उसने यह झूठी कसम खाई है। उसने उसको प्रेम करने की शपथ खाई है और वह कहती है कि उसने [स्त्री ने] उसको प्रेम किया और उसने ऐसा नहीं किया। पूरा समय वह पुरुष धोखा पाता रहा।

93. परन्तु एक बात निश्चित रूप से सत्य है मित्रों कि हम यीशु मसीह को धोखा नही दे सकते। वह 'उसके अपने' जो हैं उनको जानता है।

94. लेकिन, आप देखिए कि पहले निर्णय लिया गया। फिर, सगाई हुई। फिर वायदा किया गया।

95. और तब विवाह से संबधित कार्यवाही होती है। तब जबकि दुल्हन-दुल्हन दूल्हे के नाम को ले लेती है। वह तब और नहीं कि अपने नाम से रहे। वह दूल्हे के नाम को अपना लेती है।

96. और तब चर्च [कलीसिया] में वह क्रिया कलाप होता है। वायदों का किया जाना, वह 'दूल्हे' के नाम को अपना लेती है। और तब वह संसारिक कलीसिया नहीं रह जाती है। वह प्रभु यीशु मसीह की कलीसिया होती है। आमीन। नहीं... मैं यह नहीं मानता। केवल नाम से मेरा अर्थ है वह 'जन्म' से, स्वभाव से. द्वारा...? परमेश्वर की सामर्थ। परमेश्वर का भेद सत्य का भेद जो कि खोला जाता है उसके हृदय में वह 'मसीही कलीसिया' बन जाती है। एक सर्वभौमिक, प्रेरितों को मसीही कलीसिया। वही यीशु मसीह का हिस्सा बन जाती है। तब वह कुछ करती है, वह... मसीह उसके अंदर अपनी आत्मा उडेलता है। उसका अपना जीवन और वचन कहता है, आदम और हव्वा से, कि ''तुम अब अलग नहीं हो किन्तु एक हो'' और तब एक स्त्री कलीसिया, यीशु मसीह को ब्याह ली जाती हैं वो अब दो नही हैं। वे अब एक हैं। यीशु मसीह तुम में है। आमीन। यही है उसका जीवन जो कि अब तुम में हैं तब आप उसकी दुल्हन हैं।

97. तब दूसरी बात कि जब आप उसके वायदों को ले लेते हैं और तब यह रीति-रिवाज कहलाए जाते हैं।

98. जिस प्रकार से, मेरी पत्नी का नाम विवाह से पहले ब्रॉय था। अब वह ब्रॉय नही है। वह ब्रन्हम है। वह अब ब्रॉय नहीं है, वह ब्रन्हम है।

99. और जब आप मसीह में आ जाते हैं आप इस संसार के नहीं रह जाते। आप मसीह के हो जाते हैं। देखिए? आप इस संसार की चीज़ों की परवाह नहीं करते। वह आप के लिए

मरे हुए हैं। ''क्योंकि वह जिसने इस संसार से प्रेम किया या उसकी वस्तुओं से प्रेम किया, उसके अंदर परमेश्वर का प्रेम नहीं है।''

100. अत: आप देखिए, आप एक बनावटी मसीही हो सकते हैं आप एक बनावटी या झूठे मसीही हो सकते है।

101. परन्तु आप एक मसीही नहीं हो सकते तब तक जब तक 'मसीह' आपके अंदर स्वयं को पवित्रात्मा के बपतिस्मे के रूप में नहीं उडेल देता। तब आप 'उससे' जुड़ जाते हैं। आप 'उससे' अलग नहीं हो सकते। आप एक हो जाते हैं। यीशु ने वायदा किया है कि वह हमारे अंदर रहेगा जैसे पिता मसीह में रहता था। ''मैं और मेरा पिता एक हैं, तुम और मैं एक है''। देखिए? यीशु हमारे अंदर है। सब कुछ जैसे खुदा था उसने मसीह के अंदर खुद को उडेला था। और मसीह था उसने कलीसिया में उँडेला और सुसमाचार के कार्य को जारी रखने के लिए किया।

102. तब हम बन गये, एक बनावटी नाम के द्वारा नहीं बल्कि पवित्रात्मा की सच्चाई के द्वारा मसीह के जीवन से जुड़ गये। और 'उसके' पुनरुत्थान की सामर्थ के द्वारा हम संसार की मृतक चीज़ों में से उठा लिए गए। और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाए गए। आमीन। मुझे यह पसंद है। आज की रात हम मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं, देखिए, 'उसके' साथ जी उठे है, संसार की वस्तुआं के लिए मर गए हैं और मसीह को ओढ़ लिया है। और जब हम मसीह को ले लेते हैं तो संसार हमारे लिए मर जाता है तब हम संसार की जरा भी परवाह नहीं करते हैं। संसार हमारे लिए मर गया है। और हम भी... और यह हमारे लिए मर गया है और हम इसके लिए मर चुके हैं।

103. आप एक अलग प्रकार के व्यक्ति हो जाते हैं। अलग व्यक्तित्व वाले क्योंकिं आप एक नई सृष्टि हैं। सृष्टि! वही सृष्टि नहीं, चमकाई हुई नहीं, जो कि एक नई पत्ती के समान है। लेकिन एक व्यक्ति जो कि मरा था और पुर्नजन्म में होकर नई सृष्टि जो कि यीशु मसीह में है, हो गया है और जीवित परमेश्वर की आत्मा उस व्यक्ति में निवास करती है।

104. अब उस स्त्री के समान जो कि अब ब्रॉय नहीं है। वह नाम के द्वारा ब्रन्हम है।

105. और कलीसिया अब संसारिक नहीं है परन्तु यीशु के नाम में वह है। वह 'उससे' जुड़ी है उसके स्वयं के जीवन के द्वारा।

106. क्या कभी आपने पहले कभी वचन मे पढ़ा है कि पहला व्यक्ति जिसको परमेश्वर ने बनाया एक दो व्यक्तित्व वाला था, एक दोहरा व्यक्ति? आदम दोनो था। आदम और हव्वा, आत्मिक तौर पर कहना चाहता हूँ कि उसने तब अपनी छवि पर 'पहले आदम' को बनाया

था।'' परमेश्वर आत्मा है। परन्तु जब उसने उनको देह में भेजा उसने उससे अलग किया। उसने आदम रूपी आत्मा को लिया और आदमी में डाल दिया। और तब स्त्री रूपी आत्मा को लिया स्त्री में डाल दिया।

107. अब, जब आप एक स्त्री को देखते हैं जो कि एक पुरुष के समान, व्यवहार करती है तो यह है कि कुछ गलत है। जब आप एक पुरुष को देखें कि वह एक स्त्री की भाँति व्यवहार करें। तो यह एक गलत बात है। तो यह आज एक तरह से पूरी तरह से गलत है। पुरुष स्त्रियों की भाँति व्यवहार कर रहे हैं और स्त्रियाँ पुरुष की भाँति व्यवहार कर रहे हैं। यह सही है। यह सत्य है।

108. अब देखिए, यह अत्यंत उचित है कि जब परमेश्वर ने एक पुरुष को बनाया। और यह दिखाने के लिए कि उसने ऐसा नहीं चाहा था कि कुछ भिन्न हो, स्त्री एक मूल सृष्टि नहीं थी। अत: वह सृष्टि में नहीं आती है, बल्कि वह आदम का हिस्सा थी। वह उसकी सृजन की हुई चीज़ों में से एक चीज़ में से निकली है। वह आदम की ओर से है, वह किसी जीव को नहीं बनाती, बल्कि एक जीव का हिस्सा होती है, कि उसमें से एक जीव को बनाया जाता है। और 'उसने' पुरुष जाति की आत्मा को लिया और वह आदम था। और स्त्री जाति की आत्मा जो कि आदम के अंदर पाई जाती थी उसको लेकर स्त्री में डाला। अत: दोनों आत्मा और शरीर, वे एक हो गए।

109. और एक सुंदर बात जो परमेश्वर ने कैलवरी पर की। उसने मसीह को लेकर 'उसे' कलीसिया से जोड़ दिया। टुकड़ों में विभाजित हुई कलीसिया में वह लहू को लेकर आया जो कि व्यक्ति को साफ करती है, कलीसिया के शरीर का शुद्धिकरण करती है और जीवित प्रभु की आत्मा को उसमें रखती है कि 'वह' उस क्रूस को ले और यीशु में से लेकर हर एक के अंदर व्यक्तिगत तौर पर उसमें रख दे। और तब वे एक हो जाएँ। वे एक बन जाएँ यीशु और आप एक हैं।

110. और आप और आपके पति एक होने चाहिए। यदि कुछ ऐसा है जो कि विवाद का विषय है तो कुछ न कुछ गलत है जो कि आपकी एकात्मकता मेंहै।

111. और यदि हमारे अंदर कुछ विवादास्पद है, मसीह की ओर से यदि हम उसके वचन का विश्वास नहीं करते हैं, कहते हैं कि ''ओह। यह उन दिनों के लिए कहा गया था,'' यह कुछ गलत बात हैं जो कि हमारी 'उसके' साथ एकात्मकता में है। यदि आप कहते हैं, ''आश्चर्यकर्म के दिन बीत चुके हैं, अब अलौकिक चंगाई नहीं है, कोई पवित्रात्मा का बपतिस्मा नहीं है।'' यह कहीं और लागू होता हैं, यह दिखाता है कि मसीह की आत्मा आप के अंदर नहीं है।

112. क्योंकि ''आदि में 'वचन' था और वचन प्रभु के साथ था और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ।'' और तब जब उसका वचन आपमें स्पष्ट होता है तब आप देखते हैं कि आप और मसीह एक हैं। ''यदि वह मुझमें रहता है और मेरा वचन तुम्हारे अंदर, तब आप कहिए कि आप क्या होगे?'' क्योंकि आप अब और कुछ नहीं हैं। यह परमेश्वर का वचन है, मसीह आप के अंदर है। आप उसके साथ एक हो गये हं। सच है।

113. तब दूसरी बात जब 'वह' यह करती है जब 'वह' अपने उन वायदों को पूरा करती है और विवाह करती है और अपने पति के नाम को अपने लिए ले लेती है, दूल्हे के नाम को तब वह प्रत्येक चीज़ को ले लेती है जो कि उसके पति की कहलाई जाती है। वह उसकी मालकिन हो जाती है। आपकी पत्नी उसकी मालकिन होती है जो भी कुछ आपका होता है।

114. और यह वहहै जो कि एक चर्च होता है। यदि वह केवल इतना जानती है कि 'उसका' हिस्सा बनना है, उसकी आत्मा में उसके साथ होना है। वह कहता है, ''वह काम जो मैं करता हूँ तुम भी वैसे ही करोगे। इससे भी बड़े बड़े कार्य, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ। और फिर कुछ क्षणों बाद फिर तुम मुझे न देखोगे, जैसा तुम मुझे अब देखते हो क्योंकि मैं तुम्हारे साथ होऊँगा और इस जगत के अंत तक तुम्हारे साथ होऊँगा।'' और तब यह मसीह आपमें है। आप और वह एक दूसरे के साथ जुड़े हैं और आप उसके साथ उसकी चीज़ों के मालिक हो जाते हैं।

115. और यदि वह इस धरती पर था 'वह' क्या करता? उसने वही वहाँ पर किया वह आजकल और युगानुयुग एकसा है। वह जानता है कि पिता क्या करना चाहता है। वह बीमारों को चंगा करना चाहता है। वह आश्चर्यकर्म करता है। वह ठीक वही करना चाहता है जैसा उसने तब किया जब वह इस धरती पर था क्योंकि वह आज, कल और सर्वदा एक सा रहने वाला प्रभु है। वह उतना ही अधिक निपुण है। यही विवाह है।

116. लेकिन अब यदि यह स्त्री विवाह करती है और उन सभी वायदों को भरती है और सारे क्रियाकलापों को करती है और फिर उस आदमी का पति बनती है और उन सबकी स्वामी बनती है जो चीज़ें उसे प्राप्त हुई और फिर वह जंगली अनियंत्रित होती है? वह एक अनियंत्रित जंगली व्यवहार आरम्भ कर देती है। वह दूसरे आदमियों के पीछे भागना शुरु कर देती है। न केवल यह बल्कि अपने प्रेम को दूसरों के साथ बाँटना शुरू कर देती है। एक आदमी और उसकी पत्नी, वे सारे वायदे जो उन्होंने किए और फिर 'वह' बाहर जाकर दूसरों के साथ अपने जीवन को बिताती है अपने प्रेम तथा सभी अनुभूतियों को दूसरों के साथ बाँटती है।

117. यह वह है जो कि बहुत से मसीही जो कवेल नाम से मसीही होते हैं वे ऐसा करते हैं अपने प्रेम को संसार के साथ बाँट लेते हैं। वे उनके साथ खेलते, नाचते, जुआ खेलते, एक

दूसरे के घर में ठहरते हैं, प्रार्थनाओं से अलग घर पर रहते हैं टेलीवीज़न देखते हैं, सब प्रकार की सांसारिक बातों को करते हैं, जिसने परमेश्वर के प्रेम का स्थान खुद ले लिया है उस कलीसिया के हृदय में परमेश्वर के प्रेम के स्थान पर वह है। 'वह' जब एक अनियंत्रित व्यवहार करने लगी है। वह जंगली हों गई है। वह दूसरे व्यक्ति के पीछे जाने लगी है। वह अपने प्रेम को दूसरों के साथ बाँटने लगी है। वह अपने दशवांश को लेगी कि वह उस चर्च को दे; वह इसको संसार की दूसरी चीज़ों में खर्च कर देती है। वह... जिस प्रकार प्रभु को प्रेम करना चाहिए, अपने जीवित परमेश्वर के लिए जिस प्रकार रहना चाहिए और चर्च में आना पसंद करना चाहिए, आप लगभग अनचाहे ढंग से आते हैं।

118. क्यों, मैं जानता हूँ, बहत अधिक पहले की बात नहीं है, एक-एक पद आसीन व्यक्ति ने मुझे बताया कि उसने मुझे अनेकों प्रार्थनाएँ भेजी थीं... अनेकों कार्ड जो कि लोगों को मिले और वे हस्ताक्षर करें और यह कि वह यह प्रतिज्ञा करें कि वे रविवार को उस स्कूल में कम से कम छः महीने आएँगे, प्रति एक वर्ष तक।

119. और मैंने देखा एक छोटी लड़की को पहाड़ी के नीचे की ओर जहाँ मैं काम करता था। और वह वही पर आई बाहर की ओर आई। और मैं वहाँ खड़ा था दरवाज़े पर एक दस्तक हुई हुई, वह दरवाज़े पर थी। और वे कुछ वहाँ पर 'वाइल्ड कैट' के खिलाड़ी थे। आप जानते हैं।

120. इस तरह के झुंड जिनको गिरफ्तार किया गया था पिछली रात फिनिक्स शहर में ऐसा मैं समझता हूँ कि वे नई प्रकार की मिलावट है, एक एक-रोल, या टविस्टर यह कभी रही थी जिन्हें सेना के जवानों के द्वारा ले जाया गया था। जवान झुंड, क्या आप नहीं समझे कि यह शैतानी आत्मा है? एक प्रभाव के अन्तर्गत जब तक कि वे नहीं जानते कि वे क्या है कि वे जो सड़कों पर चिल्लाती हुई है।

121. इनकी ही भाँति मज़ाकिया लोग या यह रिकार्ड करने वाले या किसी प्रकार का प्रसारण करने वाले जो कि शहर में आते जाते हैं। जवान स्त्रियाँ अपने अंदर पहनने वाले कपड़ों को उनके सामने प्लेटफार्म पर इसलिए फेंक देती हैं कि वे लोग उनपर उनके लिए ऑटोग्राफ दें। क्या आप को महसूस नहीं होता है कि यह शैतान है। यह अंत के दिनों की आत्मा है। यह अत्यंत शर्मनाक बात है। यह आप अत्यंत जंगली हो गये हैं।

122. यह छोटी जवान लड़की अपने ऊपर इसे लेती है। वह यह नहीं जानता कि मैं वहाँ हूँ वह... वह भूल जाती है कि मैं वहाँ दरवाजे के पीछे खड़ा हूँ। और वह कहती है, "ओह! मुझे क्षमा करें। मैं भूल गई थी कि आप वहाँ खड़े हैं।" और उसने एक चुम्बन उस रेडियो पर बोलनेवाले लड़के की ओर किया जैसा कभी उसने किया था और कहा, "मैं तुमसे ग्रीन बैरियर

पैच या जो भी जगह उसने बताई हो, वहाँ मिलूँगी, वे लोग उस रात किसी नाच-गाने की जगह पर मिलने जा रहे थे।

और मैंने डा. ब्राउन से कहा, जो कि मेरे एक मित्र हैं।

123. उन्होंने तब कहा, ''तुम्हारी कलीसिया कैसी है क्या वह पकड़ पा रही है? बिली?''

मैंने कहा, ''बढ़िया'' मैंने कहा हम उन्हें गोलियाँ दे रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''गोलियाँ किस प्रकार की?''

124. मैंने कहा, ''सुसमाचार, वह सुनिश्चित है कि वे आते रहेंगे।'' देखिए?

125. और उन्होंने मुझे बताया कि वे उन प्रतिज्ञाओं को गाते हैं। और मैं बोला कि डा. ब्राउन, क्या आप सोचते हैं वे जंगली बिल्लियाँ उस रेडियो के द्वारा जिन्होंने ऐसा किया कि वो लड़की एक प्रतिज्ञा को करती है कि उस रात वो वहाँ पर होगी? जी नहीं वह वहाँ जाकर पहने के लिए कपड़े खरीदती है। क्यों? कुछ है उसके अंदर जो कि उसको उस आत्मा से जोड़ता है उस संसारिक मनोरंजन होने के लिए।

126. और जबतक जीवित परमेश्वर की कलीसिया, जो कि मसीह की दुल्हन कहलाती है स्वयं को परमेश्वर से उसी प्रकार जोड़ लेती है जिस प्रकार वह लड़की अब तक इस संसार की गहरी कीचड़ में होती है, जब तक कि 'वो' परमेश्वर के साथ उसी रूप में जुड़ती है कि उसका हृदय उस महिमा और परमेश्वर की सामर्थ से भर जाता है, जब तक 'वह' मसीह के अतिरिक्त कुछ और नहीं देख सकती। यह सत्य है।

127. तब क्या है हम क्या करेंगे। केवल योजना, केवल कार्यक्रम जो कि परमेश्वर का है जो करना है इस तरह का कुछ। आप एक कृत्रिम तौर पर अंदर नहीं ले लिए गए हैं। आप इसलिए हैं कि उसमें पैदा हों, न कि हिलाए जाए या एक पत्र कलीसिया के प्रति लिखें। जीवित परमेशव्र के अंदर पैदा होने के लिए, यीशु मसीह की पुर्नउत्पत्ति तथा पुनरुत्थान की सामर्थ के द्वारा जो कि आपको 'उसके' अंदर नई सृष्टि बनाती है। आमीन। वह आपको सीधा सटीक बनाती है। वह यह करती है। निश्चित रूप से। बिल्कुल ठीक।

128. वे जंगली हो जाती हैं। वह अपना प्रेम दूसरों से बाँटती है, सांसारिक चीज़ें, सांसारिक मनोरंजन, वह वहाँ जाती है जहाँ नहीं जाना चाहिए, वह सबकुछ कहती है जो उसे नहीं कहना चाहिए।

129. अब, एक बार मैं... उनको ऐसी पत्नियाँ... कुछ एक प्रकार की चर्च पार्टी हो सीढ़ियों के ऊपर होती हैं। मैं कुछ करने के लिए इस मकान के भूतल में कुछ करने के लिए। और मैं

आपको बताता हूँ मैंने कुछ सुना है जो कि आपत्तिजनक था उस समय जब मैं गुनहगार था, स्त्रियों की वह सभा में मैंने ऐसे गंदे मज़ाक अपने जीवन में कभी नहीं सुने। क्या आप सोच सकते हैं कि एक व्यक्ति जो कि एक मसीही कहलाता है उसमें से कुछ गंदगी उनमें से निकलती है।

130. आप उन हौदों में से मीठा और अच्छा पानी प्राप्त नहीं कर सकते। आप कुँए में बाल्टी डाल देते हैं और खाली हिलाते हुए बाहर आते हैं हम उन्हें ऐसा बुला सकते हैं और फिर जब आप दोबारा बाल्टी को कुँए में डालते हैं फिर यह उसी रूप में वापिस आजाते हैं। उस हौद को अच्छे पानी से भरने के लिए किसी अधिक बड़े हौद या सोते की आवश्यकता है।

131. यह क्या है कि जो कुछ आज इस कलीसिया के साथ है सार्वभौमिक रूप से कह रहा हूँ कि 'उसको' एक अत्यधिक मात्रा में उस परमेश्वर के स्वर्गीय स्त्रोत से भर जाने की आवश्यकता है। उसका हृदय किसी ऐसी ही चीज़ों का जो बेअर्थ या फालतू चीज़ों का भराव जैसा हो जाता है। वह सब प्रकार की वस्तुओं को प्रेम करनेवाले बन जाते हैं। वचन बताता है कि वह इसी प्रकार की रहेगी। "सुख के चाहने वाले होंगे परमेश्वर को प्यार करने के अतिरिक्त चीज़ों को प्रेम करनेवाले। झगड़ालू किस्म के, झूठे वायदे करनेवाले, अपराधी प्रवत्ति के, उथले पेटवाले, सही को गलत साबित करने वाले हो जाते हैं।"

132. देखिए एक स्त्री जो कि सही तौर से जीवन बिताना चाहती है और एक व्यक्ति जो सही तरीके से जीवन बिताने की कोशिश करता है और एक प्रकार के पवित्र-पाखंडी तथा धर्मान्ध या पुराने तरीके के हो जाते हैं। वह बच निकलने वाली हो जाती हैं। वह झूठे प्रकार की तथा लोगों के द्वारा तिरस्कृत हो जाती हैं, इस संसार में रहते हुए यह सही है।

133. लेकिन क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि वास्तविक कलीसिया को किस प्रकार का होना चाहिए? 'पुराने नियम' में वे किस प्रकार बलिदान करते थे, वे एक पक्षी को मारते थे और उसका खून एक दूसरे पर लगाते थे और मृतकों के लिए चाहते थे और वह जमीन पर दूर उड़ जाती थी उन मृतकों पर उस लहू को छिड़क्ती हुई, चली जाती है । जब चर्च यीशु मसीह की वास्तविक कलीसिया बन जाती है, वह यीशु मसीह के लहू को ले लेती है और चारों ओर उस लहू को छिड़क्ती हुई, पुकारती है, "पवित्र, पवित्र, पवित्र परमेश्वर को पहुँचे।" उसका वातावरण और हर एक चीज़ परमेश्वर की हो जाती हैं। उसका रूप-रंग परमेश्वर का हो जाता है। आप उसके अतिरिक्त कुछ अपना नहीं सकते।

134. यही कारण है कि लोग चर्च भी आते है। ताश खेलने, था समय बिताने, नाच गाने को जो भूतल में किया जाता था उसको करने के लिए नहीं जाते हैं। वो संसार के लिए होता है। और हम उनको उस संसार के अनुसार तुलना नहीं कर पाते हैं और यदि हम ऐसा करते हैं तो यह

शर्मनाक बात है। हमें पवित्रात्मा का प्रचार करना चाहिए। सामर्थ और मसीह के पुनरुत्थान का प्रचार करें। हमारे पास कुछ है जो उनके पास नहीं है। हम उसे इसी प्रकार जिऐं और उसे उनकी भाँति नकल न करें। सही तरीके से जीवन को जिऐं। मसीह में जिऐं। यीशु ने कहा, ''यदि मैं ऊपर जाता हूँ तो तुम्हें भी अपने यहाँ ले जाऊँगा। तुम धरती के नमक हो, लेकिन यदि उसका स्वाद बिगड़ जाए तो क्या किया जाए इससे अधिक कि फेंका जाए और पैरों तले रौंदा जाए।'' हमारी साक्षी...

135. कोई आश्चर्य की बात नहीं कि हमारे पेन्तेकोस्टल समूह इतने बुरे हैं कि मुझे यह कहना अच्छा नहीं लगता, हमारे पेन्तेकोस्टल समूह उस ओर झुकते चले जा रहे हैं ठीक उसकी रीति पर चले जा रहे हैं। और कोई आश्चर्य नहीं कि लोग कहें कि उनको पता नहीं कि वे क्या कुछ कहें। यह चर्च पेन्तेकोस्टल उत्थान में परमेश्वर की सामर्थ के साथ इतनी अधिक बंधा हुआ है जबतक कि यीशु मसीह का जीवन उसमें से प्रतिबिंबित नहीं होता है।

136. परन्तु हम इस संसार के पीछे एक नमूना चाहते हैं। ''हम ऐसा करने जा रहे हैं, किसी भी तरह''। देखिए? ''हम उसको अपने तरीके से करना चाहते है।'' लेकिन हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करना गलत है। कलीसियाऐं स्त्री की भाँति होती हैं जो कि जँगली हो जाती हैं।

137. पहली चीज़ जो कि आप जानते हैं, करीब चालीस या पचास वर्षों पहले जब परमेश्वर ने पेन्तकोस्तल चर्च को उत्पन्न किया तब यह पहले-पहल बिल्कुल ठीक थी। वह पवित्राताई का जीवन व्यतीत कर रही थी। वह पवित्र थी। परमेश्वर की सामर्थ उसके साथ थी। वह उसी प्रकार थी हम उस संसार के पीछे-पीछे चल रहे थे।

138. पहली चीज़ जो कि आप जानते हैं कि हमारे पास एक इमारत थी जो कि बहुत बड़ी थी और चमकदार, शानदार थी, जिसमें ऊपर के एक में मैथोडिस्ट चर्च था। उसमें कुछ था जो कि बहुत बड़ा और अधिक बड़ा तथा अत्याधिक बड़ा था। और शर्मनाक था। और हममें से अनेक लोग ऐसे थे जो कि उससे फूल रहे थे। पेन्तेकोस्तल भाई जब किसी को छोटे मिशन को देखते थे छोटे चर्च को देखते थे और बड़े चर्च में चले जाते थे। ''हम उस पहले चर्च या उस बड़े चर्च के हैं।'' या इस तरह से कुछ कहकर उसको तुच्छ मानते थे।

139. आपको जिस चीज़ की आवश्यकता है वह पवित्रात्मा है, कुछ आपको छोटा होना होगा यह ठीक है आपको बता दूँ कि पवित्रात्मा का असली बपतिस्मा आपके लिए एक भोज के लिए पहनी जाने वाली पोशाक या जैकेट है जिसमें आप अपनी बाहें डालकर कहें 'भाई'। ठीक है। असली पुराने समय का उद्धार, परमेश्वर की सामर्थ हाँ, श्रीमान, हम रेशम के वस्त्र के चारों ओर हाथ डालकर कहें कि 'बहन मैं आप से प्रेम करता हूँ''। पक्के तौर से।

140. परन्तु हम संसार के अंदर जाना शुरू करते हैं उस उतार चढ़ाव के अंदर तैरते हुए। हमारे चर्च में जो है। हमें बैपटिस्ट या मैथोडिस्ट के विषय में कुछ बात करने की आवश्यकता नहीं है। यह हम खुद है। हम खुद एक श्रेणी के अन्तर्गत हैं। यह वह कारण है कि पवित्रात्मा गतिशील नहीं होता। यही कारण है कि परमेश्वर उस संगठन को आज अपना नहीं सकता। क्योंकि अन्य जाति एक राष्ट्र के रूप में नहीं आए थे। वो अन्यजाति में से निकले हुए लोग थे, जो उसके नाम से आए थे। परमेश्वर प्रति एक को व्यक्तिगत तौर पर लेता है।

141. अब, मैं सोचता हूँ कि हमारा संगठन एक अच्छा कार्य कर रही है यह ठीक है। लेकिन आप उस पर निर्भर नहीं रह सकते और यह कहते हुए, ''मैं पेन्तेकोस्तल हूँ क्योंकि मैं पेन्टेकॉस्तल संगठन से जुड़ा हुआ हूँ।'' आप पेन्तेकोस्तल हैं जब आपको पेन्तेकुस्त का अनुभव होता है। मैं इस बात का परवाह नहीं करता चाहे आप कैथोलिक भी हो, आप पेन्तेकोस्तल हैं। आप पेन्तकुस्त को संगठित नहीं कर सकते। पेन्तेकुस्त एक अनुभव है एक संगठन नहीं है और यह सही है।

142. लेकिन हम पेन्तेकोस्तल लोग सोचने लगते हैं कि क्योंकि हमारा नाम पेन्तेकोस्तल है हम आगे जा सकते हैं और इस संसार में जी सकते हैं, हम कुछ भी कर सकते हैं। हम निम्रोद की बढ़ती हुई मीनार की भाँति हैं, जब तक हम धूल में नहीं मिल जाते। आदम की अंजीर के पत्रों के वस्त्रों को भ्रांति, हम वापिस चले जाएँगे। फ्राँस की सीज़फाइड लाइन तथा जर्मनी की मैगीनॉट लाइन की भाँति बर्बाद होने के लिए।

143. क्योंकि कोई अन्य मीनार नहीं है जो खड़ी होगी। ''परन्तु परमेश्वर का नाम है जो कि एक सामर्थी मीनार है और वही धार्मिक दौड़ है और सुरक्षित है।'' जब आप इसके अंदर जाते हैं आप नाम को ग्रहण करते हैं, नाम जो कि केवल नाम नहीं कहलाता है, परन्तु नाम और व्यक्ति जो कि आप हैं, मसीह को भाँति उस के जीवन में। आमीन। 'वह' अद्भुत है। हाँ।

144. चर्च ने ठीक वही किया है, आत्मिक व्यभिचार, एक स्त्री की भाँति जो कि अपना प्रेम किसी अन्य के साथ बाँट लेगी जो कि उसके पति से अलग किसी अन्य के साथहोगा। वह स्त्रि विश्वास के योग्य नहीं है। आप इस बात को जानते हैं। और जब कलीसिया अपनी संगति इस संसार के साथ बाँटना आरम्भ करती है, तब परमेश्वर जल उठनेवाला परमेश्वर है। वह इस्राएल को इसी कारण दूर कर देता है और अपना पुत्र को इसी कारण से उसने उसी कारण से दूर किया।

145. वह अब अपने लिए एक दुल्हन को लाने जा रहा है जिसके अंदर कोई झुर्री नहीं है। आमीन! वह 'उसी' के लहू के द्वारा पूरी रीति से धोई हुई है। यह टीक बात है, तो हम देखते हैं कि हम कहाँ खड़े हैं हमारी क्या स्थिति है, विवाह होने जा रहा है।

146. अब, हम पाते हैं कि आत्मिक व्यभिचार किये जाते हैं, संसार के अंदर चले जाना, असत्यता, भिन्न प्रकार का जीवन। वो कभी कारगर नहीं होगा। चर्च को तब क्या करना चाहिए? क्या ऐस्तर ने जिस प्रकार किया। ऐस्तर ने इस संसार को पूजनीय या आदर के योग्य होने से इन्कार कर दिया।

147. हम जानते हैं कि वह ऐस्तर की छोटी पुस्तक, किस प्रकार वह ''मोर्दकै... उसका चाचा और उसकी पुत्री। मेदास तथा फारसियों के राष्ट्र जब शासनकाल में गिरावट के समय में। यह एक प्रकार से बहुत खूबसूरत है। एक राजा, राजाओं में एक महान राजा ने तब एक बड़ी जेवनार की थी। और उसने रानी को बुलाया कि उसके पास आकर बैठे, परन्तु उसने ऐसा नहीं किया। उसने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। तो उसने क्या किया? वह इतना शर्मिन्दा हुआ कि उसकी अपनी पत्नी नहीं आई।

148. मैं सोचता हूँ कि सारी भीड़ मसीह की तरह है आज। मसीह ने आज सबको आमंत्रित किया है कि हम उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठे और हम इस बात पर शर्मिन्दा होते हैं। अनेकों लोग हैं जा कि यह कहते हैं कि उनको पवित्रात्मा का बपतिस्मा मिला है। पेन्तेकॉस्टल लोग, यह ठीक बात है, वो यह कहने के लिए शर्मिन्दा हैं। हम 'उस' पर शर्मिन्दा हैं।

149. और फिर रानी नहीं आती है। वह आने के लिए मना कर देती हैं। वह उसको नीचा दिखाती है। उसका चेहरा लाल पड़ जाता है। सब लोगों ने इस पर ध्यान दिया।

150. मैं ध्यान देता हूँ कि यदि मसीह यीशु का चेहरा भी कुछ लाल हो गया था जब उसने हमें पुकारा था कि पेन्तेकुस्त का वह विचरण उस सभा में हो, भाईचारों में हो हम आपस में इतना अधिक संगठित हो गए हैं कि हम एस दूसरे के लिए थोड़ा भी झुक नहीं सकते। हम इतने अधिक सांसारिक हो गए हैं और इस प्रकार के कि हम पेन्टेकोस्तल कहलाने में शर्माते हैं। कुछ लोग तो डरते है यह कहने में कि मैं उससे संबधित हूँ, मैं एक मसीही हूँ परन्तु....''। मैं खुश हूँ कि मुझे पेन्तेकुस्त का अनुभव हुआ है। आमीन। मैं खुश हूँ कि मेरे पास यीशु मसीह का नाम है। मेरा यह सौभाग्य है कि मैं यह कहूँ कि मैं 'उसका' एक हिस्सा हूँ।

151. अब, हमें मालूम हुआ, कि तब उसने कुछ परामर्शदातों से विचार-विमर्श किया कि उसको क्या करना चाहिए और उन्होंने कहा, ''यदि यह इसी तरह चलता रहा, बाकि जितनी स्त्रियाँ जो कि इस देश में हैं पहली महिला का उदाहरण अपना लेंगी।''

152. वास्तव में, यह वह जो कि चल रहा है। मैं इनमें से कुछ स्त्रियों को देखता हूॅअ। मैं उम्मीद करता हूँ कि मैं आपको भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाता हूँ और आज तक भी ऐसा

करता हूँ। उह ऊह – सही है। पहली स्त्री होने के लिए कोशिश कर रही हैं अपने कटे लहराते बालों के साथ। मैंने ऐसी चीज़े जीवन में कभी नहीं देखीं।

153. किसी एक दिन एक स्त्री किसी दुकान में आई जहाँ मैं अपनी पत्नी की प्रतीक्षा कर रहा था उस स्त्री का सिर इतना अधिक बड़ा था। उसकी आँखों के नीचे हरा रंग लागा था। मैंने कहा, ''वापिस जाओ, भद्दे आकर्षण करनेवाले, मैं सही बना रहूँगा।'' यह एक भयंकर दृश्य था। यह आपको डरा देगा। यह क्या है? यह पहली स्त्री है। यह प्रथम स्त्री है। यह है। और वे इससे अपने लिए उदाहरण लेते हैं।

154. और मुझे कह लेने दीजिए, मैंने यह मज़ाक के तौर पर नहीं कहा है, बल्कि सिद्धान्त में कहा कि आप देख पाएँगे। वह सही तौर पर पुराने मसीही जो कि युवा हैं कर रहे हैं। बिल्कुल यही। आपको एक उदाहरण होना चाहिए। आप जो कि पेन्तेकोस्तल हैं जो कि पवित्रात्मा, पाने का दावा करते हैं आपको तो एक उदाहरण होना है मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबेटेरियनों के लिए। प्रथम स्त्रि की भाँति नहीं अपितु यीशु मसीह की भाँति होने के लिए। वह आपको यहाँ बताता है कि आपको क्या होना है और यह कैसे करना है। उसे उसके नियमों तथा उदाहरणों का अनुकरण करना है। लेकिन यह वही तरीका है जो कि हमें करना है। ऐस्तेर...

155. वह रानी, उसको उसकी नहीं सुनना चाहिए। उसे नहीं आना चाहिए उसको बेइज्जत करती हुई। कहकर, ''यदि-यदि इस धरती की पहली स्त्री इस तरह का उदाहरण दिखाती है तो बाकी को स्त्रियाँ भी ऐसा करेंगी। तो जब एक आदमी पत्नी को बुलाता है, वह कहती है, ''जाकर नदी में कूद जाओ।'' देखिए? लड़के, उसने सचमुच पहले से कहा था अमेरिका के विषय में, क्या उसने नहीं कहा था? अब हम पाते हैं कि ऐसा करते हुए, तब फिर यहाँ एक आदमी है जिसको 'उसके' विषय में थोड़ा ज्ञान है आकर राजा से मिलता है। उसने कहा ''वह चीज़ जो करना है वह है उससे दूर गामी बातचीत करना। और राष्ट्र के बाहर भेजना सारी कुँवारी को बुलाना और जवान कुँवारियों को बुला भेजकर उनमें से स्वयं एक पत्नी को चुनना।''

156. इस बात से राजा खुश हुआ और अत: उसने राजमहल की नौकरानियों को भेजा जो कि बाहर जाकर सब युवा कुँवारियों को जो कि अत्यंत खूबसूरत थी, वहाँ को सारी रियासतों में से और समस्त विभाजित खंडों में से कि संसार में सबसे बड़ी कौनसी है।

157. और तब वह करता है, कि इस छोटी यहूदी लड़की के लिए आती है। वह एक प्रकार से जाति के बाहर की ही है क्योंकि वह अन्य जाति के समान है वह एक अन्य जाति की है। उसके कोई माता और पिता नहीं हैं। और मोर्देकै उसका चाचा है जो कि उसको पाल-पोस रहा था। और वह उसके योग्य ठहरती है।

158. और तब उन्होंने क्या किया, उन्हें इन लड़कियों को लेकर उनका शुद्धिकरण करना था, यह कई महीनों तक होना था। उनको सुगंधित किया जाना था और उसे प्रकार की सजावट होने के लिए उनको लाना था कि राजा के सामने पेश की जा सकें।

159. अब, यह बात उस तरीके के विषय में है जिस तरह आज संसार चर्च के अंदर निश्चित करना चाहता है। संसार के साथ, उसके तरीके से सजाना चाहता है एक नमूना चाहता है एक सांसारिक तरीके के साथ अधिक से अधिक सदस्य बनाकर उसकी सहभागिता में रखना चाहता है। मेरे खुदा। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण बात है। एक समूह दूसरे को पिछाड़ देना चाहता है और एक सदस्य को ले लेता है। आपको उसे एक संगठन के रूप में लेना चाहिए, लेकिन वो कभी मसीह की सहभागिता में नहीं आता है, जब तक कि वे साफ, सुधरे, धोए तथा नया जन्म पाए हुए हों और उनमें परमेश्वर का आत्मा हो। यह सत्य है। उनके नाम यहाँ पुस्तक में होते हैं, लेकिन वहाँ मेमने की जीवन की पुस्तक में नहीं होते जब तक कि मसीह यीशु के लहु से वो वहाँ पर नहीं लिखे जाते।

160. सारी स्त्रियाँ जो कि स्वयं को सुंदर दिखाना चाहती हैं। और, ओह। मैं सोचता हूँ कि सचमुच वे किसी की तरह लगना चाहती हैं हो सकता है कि पहली स्त्री या कोई अन्य। उन सभी ने अपने आपको पूरी तरह उस पर स्थिर कर लिया है क्योंकि वे सब एक राजा के सामने उपस्थित होने जा रही है।

161. मैं सोचता हूँ कि आज यह पूरे समाज के विषय में है जो कि हमारे चर्च में है वे सब स्वयं को सांसारिकता में स्थिर किए हुए हैं, सांसारिक मनोरंजन, सांसारिक वस्तुएँ जो कि उनमें हैं, संसार में रहते हुए उसकी चीज़ों को करने के लिए. संसार के साथ तालमेल रखते हुए, यह सोचते हुए कि वे राजा से मुलाकात कर सकते हैं। परमेश्वर इस बात की परवाह नही करता है। उसे उससे नफरत है। परन्तु हम संसार की भाँति कार्य करना चाहते हैं।

162. हमारे कुछ चर्च मैंने पहले भी कहा है कि उन दायरों को नीचा करें, चर्च के डीकन इत्यादि को चर्च में लेने के लिए याकभी चर्च के पादरियों को जो कि चार या पाँच बार विवाह किए हुए होते है और इनमें से कुछ तो सिगरेट पीते हैं। कहते हैं कि ‘‘वे उसपर जय पाएँगे वे ठीक हो जाएँगे।’’ एक व्यक्ति जो कि रात को शराबखाने से निकलता है और दूसरी रात मंच पर से प्रचार करता है। मैं उस प्रकार के लोगों में विश्वास नहीं करता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ उस व्यक्ति को जो कि स्वयं को सच्चा करता है। मैं आपको बता दूँ कि अनेकों बार हम उन्हें कहते हैं....

163. मैं विश्वास करता हूँ पवित्रात्मा का बपतिस्मा में। मैं अन्य भाषा को बोलने में विश्वास करता हूँ परन्तु मैं समझता हूँ कि हम उस पर अत्यधिक ज़ोर देते हैं। एक आदमी जुबान बोल

सकता है एक स्त्री अन्य भाषाएँ बोलती है उस आदमी या स्त्री का जीवन मेल नहीं करता कि जो कुछ भी वह भाषा भोलते हैं, तब यह गलत भाषा है, क्योंकि पवित्रात्मा आपको वचन के मुताबिक बनाता है। यह आपको परमेश्वर के कदओकामद तक पूर्णता में ले आता है।

164. आप एक आदमी को लीजिए जो कि भाषाएँ बोलता है और उसका मिजाज लड़ने वाली मक्खियों की भाँति होता है, वे अडोस-पडोस के बारे में बातें करते हैं और सब प्रकार की बातें हैं। आप फिर क्यों पवित्रात्मा को पुकारते हैं? यह नहीं हो सकता है। नहीं श्रीमान।

165. पवित्रात्मा शांत है, खुशी है, लंबे समय से दुख के बाद मिलनेवाली अच्छाई है, सज्जनता है, धीरज है, विश्वास है। वह पवित्रात्मा का फल है, पवित्रात्मा वह है जो कि कलीसिया मैं जीवित परमेश्वर को अपने अंदर संजोए रखता है, मधुरता, नम्रता, दीनता प्रेम एक दूसरे के लिए लंबे समय तक रखता है।

166. यदि कोई भाई गलत कर रहा है तो उसको पीटें नहीं या कुछ ऐसा न करें। उसके पीछे जाएँ और उसको देखें कि आप उसको वापिस ला सकें। प्रचारक की प्रतीक्षा न करें कि वह इसे करे। आप इसको करें या कोई अन्य इसे करे। प्रचारक या डीकन इसको नहीं कर सकते है। प्रत्येक मसीह का बदन है एक दूसरे के पीछे रहें। हम पा सकें... यदि हमने हमारे अंदर मसीह का आत्मा पाया जाता है... उसने बड़े बड़े दृष्टांतों में बातें की। उसने निनानवे को छोड़ा और एक के पीछे गया। यह क्या है कि हमको भी ऐसा करना चाहिए। परन्तु हम कहते हैं कि ''ओह! जाने दो।'' हम ऐसा कभी नहीं कर सकते। हमें सज्जन होना होगा क्षमा करनेवाला अधिक सहने योग्य। यह सब आत्मा के फल हैं।

167. अब हम स्वयं को देखते हैं, वह ऐस्तर उसके पीछे.. उन्होंने उसको एक स्थान पर ला रखा था कि वह स्थिर हो जाए और राजा के सामने स्वयं को प्रस्तुत करे। मेरे! उसने इसको मना कर दिया था। वह इसको नहीं चाहती थी। वह बाहर जाना चाहती थी जैसी कि वह थी। आमीन!

168. हम देखते हैं कि कितने चर्च है जो कि संसार के समान कार्य करना चाहते हैं क्योंकि वे आकार में बड़े हो गये हैं। परमेश्वर ने कहा ''एक समय वह छोटा था उन्होंने 'उसकी' सेवा की। परन्तु जब वे बढ़ गए तब वे 'उसको' भूल गए।'' यह बात सही है।

169. जब यदि हमारे पास टिन का डिब्बा है और यह कहीं जब सभाऐं हों उनमें खज़री की तरह बजाया जाए या हाथों से पीटा जाए और किसी पुराने गिटार पर धुन बजाई जाए और हर जगह गलियारों में सभाऐं की जाएं, आप नम्र होते है। लेकिन जब हमारे पास तीन या चार लाख डालरों की इमारतों में बड़ी-बड़ी चीज़ें हो तब हम इतने अधिक घमंडी हो जाती हैं हम उसके विषय में भूल जाते हैं, यह सही है, संसार के साथ मंझ जाते हैं।

170. मैं एक जगह पर था किसी दिन वहाँ एक भाई बहुत पवित्रता थी, वहाँ कुछ लोगों का झुंड था जो कि 'उसके' लिए कार्य कर रहा था। और यदि स्त्रियाँ वहाँ पर चाय-कॉफी के समय पर उस अवकाश में आती हैं, वे सभी छोटे कटे हुए बालों वाली और लिपस्टिक लगाए होतीं हैं। अब आप कहते हैं, ''भाई ब्रन्हम कि आप को ऐसा कहना नहीं चाहिए।'' मेरे पास है। बाइबल यह कहती है। यह सही है।

171. अनेकों पेन्तेकॉस्टल स्त्रियाँ कपड़े पहने हुए होते है जो कि पुरुष के तरीके के होने हैं परन्तु खुदा कहता है कि यह खुदा की दृष्टि में बुरा है। यह सही है। आप यह कैसे कबूल कर सकते हैं कि इस प्रकार आप स्वर्ग में जा सकते हैं? यह दिखाता है कि पवित्रात्मा वहाँ नहीं है। यदि पवित्रात्मा वहाँ है तो यह आपको धिक्कारता है। ठीक है। ओह! आपको चिल्लाना चाहिए, भाषाओं में बोलना चाहिए, ऊपर नीचे दौड़ लगा कर या आत्मा में नाचना चाहिए। मैंने हिन्दूओं की भारत में ऐसा करते देखा है और ऐसा ही सबकुछ होता है। उस सबका मतलब कुछ नहीं है। जब तक वहाँ जीवन होता है कि आप किसके विषय में बात कर रहे है। पवित्रात्मा की सामर्थ होती है लोगों को ईश्वरीय जीवन बिताने केलिए परमेश्वर की सामर्थ होती है। यह मसीह की दुल्हन है।

172. ऐस्तर जो कि दुल्हन बनी थी, अत: उसने संसार की किसी बनावट को नहीं चाहती थी, वह ऐसी थी। उसने खुद को उससे सजाया था जिस प्रकार पेन्तेकॉस्तल स्त्रियाँ को होना चाहिए एक कमज़ोर, नम्र आत्मा के साथ। और जब यह सब प्रकार की कृत्रिमता, प्रथम स्त्री के रूप में आती है अपनी नई सब प्रकार की आडम्बर किए जाते हैं कि राजा उन्हें देखे और उस कक्ष में डाल दे। लेकिन जब ऐस्तर पर उसकी दृष्टि पड़ती है और वहं एक नज़र में उस मधुर नम्र तथा धीमी आत्मा में कहता है ''यही है वह। जाओ और जाकर ताज उसके सिर पर रखो।'' यही है वह।

173. उनको स्वयं को सुसज्जित करने दो, उस आत्मा के द्वारा, न केवल स्त्रियाँ परन्तु पुरुषों को भी स्वयं को उस तरह की आत्मा से खुद को सजाने दो। तब आप तैयार हो रहे हैं उस दुल्हन के लिए जो कि मधुर है, नम्र है। ऐस्तर ने अपने हृदय को शुद्ध किया है।

174. वह ऐसा बहुत कुछ है जिसकी परवाह हमें करनी है ओह! इस पर तो बहुत अधिक झुर्रियाँ दूर करने वाला पदार्थ लगाना होगा। और बहुत ज्यादा इस प्रकार का।

175. अब यहाँ कुछ समय पहले मैं टेनेसी के एक म्यूजियम में था। मैं एक छोटी जगह से गुज़रा, और वहाँ मानवीय शरीर की एक व्याख्या की हुई थी। उसमें था कि एक मनावीय शरीर का वज़न एक सौ पचास पाउन्ड, रासायनिक में उसका मूल्य चौरासी सेन्ट है। आप में से कोई चौरासी सेन्ट का है? और कोई स्त्रियाँ, पेन्तेकोस्तल स्त्रियाँ पाँच सौ डालरों का फर वाला कोट

और सिर उठाकर चलती हुई हो चाहे बारिश भी हो, वो बह जाएँगी फिर उनकी कीमत चौरासी सेन्ट भी नहीं रह जाएगी। यह सच है। यह सच है, यह मज़ाक नहीं है। यह सच है चौरासी सेन्ट काफी होंगे उस मुर्गी के घोंसले में सफेदी की जा सके। थोड़ी सी कैलशियम इत्यादि को डाला जा सके। चौरासी सेन्ट, आप देखिए कि कितना दुर्भाग्यपूर्ण है।

176. आप रेस्टोरेंट में जाते हैं और देखते हैं.. सूप के कटोरे में मकड़ी है और आप उस रेस्टोरेंट पर दावा ठोकते हैं ।

177. परन्तु आप शैतान को अपनी नाक उस गंदे टेलीवीज़न के द्वारा और ताश के गंदे खेलों के द्वारा बीच में फँसाने देते हैं और उसे बरदाशत कर जाते हैं जो कि आपको गंदे कपड़ों द्वारा जो कि स्त्रियाँ पहन लेती हैं और तंग चुस्त कपडों के द्वारा जो कि उनकी खाल के साथ चिपके हुए होते हैं, ऐसी हालत में सड़कों में चली जाती हैं। और क्या बहनों आप जानती हैं कि मैं यह मज़ाक नहीं कर रहा हूँ। आप मुझे गलत करार दे देती हैं।

178. सुनिए, मैं यह कह रहा है, आप इस तरह व्यवहार करती हैं और न्याय के दिन आप एक व्यभिचारिणी की तरह गिनी जाएँगी। सही है। यीशु ने कहा, ''जो कोई भी ऐसी स्त्री पर नज़र डालेगा वो उसके साथ व्यभिचार में गिना जाएगा, यदि उसने अपने मन में विचार ही किया है तो भी।'' और तब उस पापी को उस व्यभिचार का उत्तर देना होगा। यह कौन है? आप हैं। आप इसका कारण हैं? आप। यह ठीक है। आप यदि स्वयं को इसमें रखती हैं कि पुरुष आपको देखे और संसार की तरह वस्त्र पहनें और उसकी तरह समझें।

179. मैंने एक बार इस तरह कहा और एक स्त्री, लुइसविले कैंटकी में थी, उसने कहा, ''ठीक है श्रीमान, ब्रन्हम, सुनिए, आपको मैं अभी समझाती हूँ।''

मैंने कहा, ''जी हाँ मैडम''?

उसने कहा, ''यही केवल तरीका है कि वे ऐसी ही पोशाकें बनाते हैं।''

मैंने कहा, ''वे सब मशीनों को और सिलाई के समान को बेचते हैं।''

180. ऐसा इसलिए है कि आप ऐसा चाहते हैं। आपके अंदर कुछ गलत है। यही बिल्कुल सही है। आप ऐसा इसीलिए नहीं करते कि यह फैशन है। आप ऐसा इसलिए नहीं करते है ऐसा करना है। आप इसलिए ऐसा करते हैं क्योंकि आप ऐसा करना चाहते हैं।

181. आप धूम्रपान करते हैं क्योंकि आप ऐसा करना चाहते हैं। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। मैं सोचता हूँ कि सबसे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण बात जो कि मैंने कभी देखी है कि एक महिला सड़क पर जा रही थी, आपकी तरह जैसे आप जाते हैं, चले जाते हैं और उनके हाथों की अँगुली में सिगरेट फँसी हुई है। क्यों? यह शर्मनाक है। यह सबसे बड़ा पाँचवाँ लेखकों का

आंदोलन था जो कि उस राष्ट्र में था। जब डाक्टरों तथा चिकित्सा विज्ञान कहती है यह कैंसर आदि से भरा हुआ है। और वे इसी प्रकार की वस्तुओं का सेवन करते हैं।

182. एक स्त्रि को देखिए कि उसे एक मसीही होना चाहिए, वह किनारे पर कुछ नहाने वाले सूट की तरह की मिली जुली पोशाक तनी था खिंची हुई सी, पहने हुए थी। मैंने देखा दो लड़कियाँ थीं। मैं यह नहीं कहता वे ऐसा नहीं करेंगी। वो धूप में बैठकर स्नान ले रहीं थी। और वो पुत्र के नाम का स्नान करेंगी यदि मैं जीवित रहा। वह पुत्र होगा। देखिए? यह श्रीमान ब्रन्हम का पुत्र होगा जो कि उस बड़े समूह में होगा। यह गलत है।

183. तब हम स्वयं को पुकारेंगे, ''ओ हम उस पेन्तेकोस्तल चर्च के सदस्य हैं।'' ओह, आपके लिए यह शर्मनाक है। सही है। पेन्तेकोस्तल चर्च को एक सफाई की आवश्यकता है आगे से पीछे तक गलियारों से सीढ़ियों तक। यह सही है। और सब इस प्रकार, यही सर्वोत्तम है हमारे लिए। लेकिन हम कर सकते हैं...

184. बिल्कुल ठीक विरोधियों की तरह योना की किश्ती के दिनों में, फ्राँस को विरोधियों की जरूरत थी तब उन्होंने पुन:विरोध करनेवालों की सीधे तौर पर कुछ चीज़ें थी जिसके लिए वो विरोध कर रहे थे।

185. और तब पेन्तेकोस्तल चर्च जिसको विरोधियों की आवश्यकता है। सही है, वह निश्चित रूप से है। एक विरोध उस गलत हो रही चीज़ों के प्रति, और सही को अपनाने के लिए होगा। आमीन! सही और ठीक समय पर पवित्रात्मा का बपतिस्मा। ''एक कलीसिया जो स्वयं को तैयार कर रही है।''

186. याद रखिए, यह कभी नहीं.. आप नहीं कह सकते, ''ठीक है, अब, मैं जो कि इससे संबधित हूँ, इन संगठनों से। मैं उन 'फोरस्क्वायर' या 'चर्च ऑफ गॉड' से या 'जीसस नेम' से या अन्यों में से किसी से संबंधित हूँ। आप उनमें से किसी एक में शामिल नहीं हो सकते हैं।

187. परमेश्वर आपको व्यक्तिगत तौर से बुलाता है। और यह आप हैं जिसे साफ होना है क्योंकि ''वह अन्यजाति में से लोगों को ले रहा है, अपने नाम के लिए, अपनी दुल्हन को, अन्य जाति को।''

188. ऐस्तर स्वयं को साफ करती है। उसने अपने हृदय को साफ किया। यह था जो कि उसने साफ किया। यह है जिसकी चर्च को आवश्यकता है, हृदय को साफ करे।

''आप अपने हृदय को कैसे साफ करते है, भाई ब्रन्हम?''

189. "'वचन के पानी के द्वारा धोया जाना।' मसीह यीशु के लहू में से होकर।"

190. वचन कहता है, "स्त्री के लिए उस प्रकार से कार्य करना गलत है, और पुरुष को उसी तरीके से जैसे स्त्री करे, करने दें। आप दोनों प्रकार के हैं। एक पुरुष जो कि अपनी पत्नी को बाहर सड़क पर नंगा जाने देता है, उसके ऊपर उसके [पुरुष] के तरह के छोटे कपड़े हैं मेरे अंदर उसके लिए कुछ आदर भाव है जबकि वो एक आदमी है। वह कठपुतली है। यह ठीक है। वह उसको [पुरुष] को एक पोंछे की भाँति प्रयोग कर रही है। आपके लिए शर्मनाक है। आपको एक पुरुष की भाँति रहना चाहिए।

191. और एक पादरी अपने चर्च को इसी प्रकार की चीज़ों से ले लेता है बजाय इसके कि वह मंच से उसको फाड़कर रख देनेवाला वचन प्रचार करे। वह एक कायर है।

192. ऐस्तर स्वयं को धोकर साफ करती है प्रभु के समक्ष, एक कमजोर, शांत तथा नम्र आत्मा में। चर्च जो कि मसीह की दुल्हन होने जा रहा है। अब याद रखिए, ऐस्तर सांसारिक साज-सज्जा को ठुकरा देती है। वह आत्मा कोहृदय में ले लेती है कि वह राजा के सामने जाए।

193. और आज स्त्री, चर्च जो कि सोचता है कि वह वहाँ उसको अंदर जा रही है कि उसके पास अधिक संख्या में लोग हो, और सबसे अच्छी तरह के कपड़ों में सुसज्जित लोग हों, उसके पास सबसे बड़ा संगठन हो, शहर का सबसे बड़ा चर्च और इस प्रकार की सभी चीज़ें, आप इसको गँवा देंगे यदि आप इस पर इस प्रकार निर्भर करते हैं।

194. यह मधुर, मीठी, नम्र वचन की आत्मा है "वचन के पानी के द्वारा धोई हुई" और वचन आप के अंदर है। यह एक धुलाई है। आमीन। चर्च को धुलाई की आवश्यकता है। परन्तु एक पूर्ण रूप से सुसमाचार की धुलाई की आवश्यकता। यह ठीक बात है। न केवल धुलाई का एक मात्र हिस्सा परन्तु पूरे तौर पर सुसमाचार द्वारा धुलाई, सफाई, "यीशु मसीह में नई सृष्टि"।

195. मसीह की दुल्हन एक दूषित दुल्हन नहीं है। वह अपनी दुल्हन को दूषित रूप में नहीं ले जाएगा।

196. यदि एक स्त्री विवाह के लिए जाती हैं और वह इस प्रकार लगती है कि वह एक सुअरखाने से आ रही है और पुरुष जिसकी कोई पहचान होती है, वह उससे विवाह नहीं करेगा। वह उसको साफ करेगा या वह साफ की जाएगी।

197. और तब मसीह की कलीसिया विवाह करने आती है कि वह सोचती है कि वह दुल्हन होने जा रही है जबकि सारा संसार उसके अंदर बाहर चिपका हुआ है, मसीह की दुल्हन को इस प्रकार का नहीं होना है। नहीं श्रीमान।

मुझे जल्दी करना चाहिए।

198. मसीह यीशु की कलीसिया, वह कलीसिया किसी तरीके से पुरानी उधड़ी हुई हालत में नहीं होगी, या फिर नामधारी कलीसियाओं की तरह के चिथड़ों के समान कपड़े न होंगे। 'उसे' किसी भी प्रकार से किसी नामधारी बड़े गिरजे का सदस्य नहीं होना चाहिए। 'उसे' खून से धुला हुआ, खून से खरीदा हुआ होना चाहिए। यह नही कह रहा हहूँ कि कि हम किसी बड़े गिरजे से संबंध रखते है या किसी बड़े संगठन से संबंध रखते हैं, इससे या उससे, इधर या उधर से संबंधित नहीं हैं । 'उसे शुद्ध होना है, परिशुद्ध, पवित्र, बिना किसी दाग़ झुर्रि, उसके लहू जो उसके उद्धारकर्त्ता का यीशु मसीह का लहू है, उसके द्वारा।

199. ऐस्तर की तरह, उसके हृदय में एक पुरुष है वह छिपा हुआ है, खामोश शांत, सज्जन, परमेश्वर की शालीनता के साथ, मनुष्य के हृदय में रहते हुए न कि संसार की उच्चता तथा महिमा से अलग।

200. मैंने हमेशा कहा है कि संसार एक चमकदार है और सुसमाचार स्वयं में, अंदर से चमक रखता है। वह इससे करोड़ों मील दूर है। हॉलिवुड चमकील है, मसीह की कलीसिया सौभ्यता से निखरी हुई, मधुर, दयालु होती है। यह ठीक है।

201. ऐसतर स्वयं को आधुनिक सांसारिक वस्त्रों से सुसज्जित नहीं कर सकती। वह राजा की पत्नी की भाँति नहीं लग सकती।

202. और क्या हम संसार सदृश लगना चाहते हैं और क्या वो एक पवित्र पुरुष की पत्नी की तरह प्रतीत होगी? हम जो कि जीवित मसीह परमेश्वर की कलीसिया हैं संसार की वस्तुओं से सजकर एक पवित्र पुरुष की पत्नी की भाँति लगना चाहेंगी? क्या ऐसा होना स्वाभाविक लगेगा?

203. यदि आपने किसी पुरुष को देखा हो जो कि शायद एक पवित्र पुरुष हो, और उसकी पत्नी पहली स्त्री की भाँति प्रतीत हो उनमें से एक जो कि किसी बड़े बाल संवारने वाले से किसी तरह के बनाए गये हों, एक तरफ से हरे तथा दूसरी तरफ से लाल या अन्य किसी प्रकार से उसका चेहरा किसी रंगने वाले बुश से पोता गया हो, इस प्रकार या किसी अन्य प्रकार से चलती हुई जिसने खाल से चिपके, तंग वस्त्र पहने हो ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहनकर नाचती हुई आए और लोग उसे कहे कि ''यह उस पवित्र पुरुष की पत्नी है?'' मैं आपको यह एक मज़ाक में नहीं बता बता रहा हूँ। मैं यह एक कथन कह रहा हूँ।

204. मैं एक बडे पेन्तेकॉस्तल आंदोलन पर आता हूँ जो कि बहुत पहले की बात नहीं है। मैं एक पंडाल में था। मुझसे वहाँ के पादरी ने कहा ''मेरी पत्नी एक संगठनकर्त्ता है।''

मैंने कहा, ‘‘यह अच्छा है भाई।’’

‘‘क्या आप उसका कार्य नापसंद करेंगे?’’

मैंने कहा, ‘‘नहीं नहीं, श्रीमान। निश्चित रूप से नहीं’’।

205. और वह मैनेजर के पास जाता है। मैनेजर ने कहा, भाई बैक्स्टर, कहिए. ‘‘यह सब ठीक है’’।

206. उन्होंने कहा, ‘‘भाई ब्रन्हम कृपया यहाँ आइए। मैं आपको अपनी पत्नी से मिलाना चाहता हूँ।’’ और मैं वहाँ गया।

207. कृपया मुझे क्षमा करें। देखिए? मैं ऐसा नहीं चाहता हूँ कि कोई कथन कहूँ। मैं एक घोषणा करना चाहता हूँ। देखिए?

208. और उनमें से एक स्त्री ने हाथों की सजावट की। मैं नहीं जानता हूँ। उस सबको, आप उस सब वस्तुओं को आप जानते है, यह सब कुछ तय है मैंने अपने जीवन में उसको कभी नहीं देखा है और वह वस्त्र इतने नीचे तक उसमें पीछे की ओर कुछ नहीं था, और कुछ निचली ओर भी नहीं था। इस प्रकार का दिखाई देनेवाला वस्त्र मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा। उसने इतने अधिक बड़े कानों की बालियाँ लटकारखीं थी और उनमें बहुत कुछ लगा हुआ था।

209. और मैंने चारों ओर देखा, मैंने सोचा, ‘‘ओह, मैं! मैं एक बैपटिस्ट हूँ और अधिक बेहतर जानता हूँ। मैंने फिर से देखा। मैंने कहा...

210. अब, कृपया यह एक मज़ाक नहीं है। परन्तु मुझे कहना है उस भाई से और मुझे आशा है कि यह उसकी मदद करेगा। मैं नहीं कहा कि आप उससे भिन्न हो जाइए; यदि मैं करता हूँ; मैं एक दिखावटी तौर पर रहूँ तो देखिए, मुझे स्वयं को साफ करने की आवश्यकता है।

मैंने कहा, ‘‘श्रीमान, क्या आपने कहा कि आपकी जिंदगी एक संत की भाँति थी?’’

उन्होंने कहा, ‘‘ओह! हाँ’’।

211. मैंने कहा, ‘‘उसने मेरी ओर घृणा से देखा’’। मैंने कहा, ‘‘मैंने कभी ऐसी दृष्टि अपने जीवन में नहीं देखी और एक सेवक की पत्नी को। वह एक पवित्र पुरुष की पत्नी की तरह नहीं थी।’’

212. और ना ही जीवित परमेश्वर की कलीसिया अपनी चाय पार्टियों या फैशन पर निर्भर नहीं रहती है, या ताश के खेलों, नाचों तथा सामाजिकता आदि से खुद को सजाने तथा संसार के साथ उसकी भाँति दिखने तथा पवित्र परमेश्वर की दुल्हन कहलाए। जब वह सिगरेट पीती

हैं, पार्टियों में नृत्य करती हैं, भाँति – भाँति के पेय पार्टियों में होती है और यह कहती हैं कि वे मसीह की दुल्हन हैं? मुझे वे पवित्र पुरुष की पत्नी की तरह नहीं लगती हैं। नहीं श्रीमान! वह ऐसी वस्तुओं को नहीं चुनेगा। वह ऐसी स्त्री को लेगा जो कि सही है, और इस प्रकार लगती है कि वह क्या प्रदर्शित करना चाहती है। मेरा विश्वास है वह सच्ची है। यह थोड़ा दर्दनाक लग सकता है।

213. मेरी बूढ़ी दक्षिण प्रदेश की माँ की मृत्यू हो चुकी है। मैं तब छोटा लड़का था। हमारे पास कुछ होता... नहीं होता था कि खा सकें, मुश्किल से काली आँख की भाँति की मटर तथा मक्का की रोटी होती थी। मुझे नहीं मालूम कि आप जानते हों। अत: हमारे पास नहीं होता था... उनके पास कुछ चिकना उस पर लगाने के लिए कभी नहीं होता था, हमें लगभग एक बड़े बरतन की भाँति होता था जिसमें हम जानवर की खाल को रखते थे और उसे काटते या कसाई उसको काटकर उस त्वचा को हमें देता था। और तब उसमें से हम कुछ चिकना पदार्थ निकाल लेते थे।

214. प्रति शनिवार की रात, माँ कहती कि हमें कैस्टर के तेल की एक खुराक की आवश्यकता है। और मैं तब उसको लेने खड़ा नहीं हो सकता था। और तब वह मुझे लेनी होती थी। मैं उनके पास जाता वह मेरी नाक को इस तरह पकड़ती। मैं कहता, ''माँ, मैं इसे नहीं ले पाऊँगा।'' मैं कहता ''माँ यह मुझे बीमार कर देगा।''

वह कहती यदि यह तुम्हें बीमार नहीं करती तो यह तुम्हारे लिए कुछ अच्छा नहीं है।''

215. अत: मैं सोचता हूँ कि यह तरीका है कि सुसमाचार प्रचार किया जाए। यदि यह आपको थोड़ा हिलाता नहीं है तो आपको भर देता है कि आपकी आत्मिक भूख-प्यास ठीक हो जाए, जो कि आपको थोड़ा बीमार सा करती है कि आप खुद को जाँच सकें और पवित्र वचन से तोल सकें; देखिए कि वह पुराने हाव-भाव, स्थार्थ नास्तिकपन, संसार के प्रति प्रेम, टेलीवीज़न, रात को होनेवाले कार्यक्रम और गिरजों का खालीपन, तथा गिरजाघरों कीं बेंचे खाली पड़ी रह जाती है। तब, आपको वहाँ से बाहर निकल आना चाहिए, यीशु की तरह, उसकी आत्मा उसमें है, जो कि प्रति एक को अपने गिरजे में लाने के लिए पूरे देश में कोशिश कर रही है कि वे मसीह को पा सकें। और हम मसीह की दुल्हन कह लाए जा सकें। ओह! कितना दयनीय है मित्रों।

216. वह घड़ी आती है। ''उसकी दुल्हन ने स्वयं को तैयार कर लिया है।'' ओह! ''स्वयं को तैयार कर लिया है''। उसने स्वयं को उन सब चीज़ों से अलग कर लिया है। याद रखिए, ऐस्तर चुनी हुई थी और अन्य तिरस्कृत थी। और केवल वे जो पुर्नजन्म पाए हैं वह परमेश्वर की

आत्मा पाए हुए हैं उस दिन चुने जाएँगे कि वे महिमा का ताज पाएँ और उसके सिर पर उसे रखा जाए। और दूसरों को तिरस्कृत किया जाएगा।

217. मैं आपको कुछ बता पाऊँ जो कि घटित होगा मैं एक मिशनरी था, जैसा कि आप जानते हैं और क्षेत्रिय कार्यों को करता था, और सात बार समुद्र के पार जा चुका था और पूरी दुनियाँ में और अधिक दिन नहीं हुए, रोम के शहर में, रोम कला का बड़ा शहर है। और वहाँ कला का विद्यालय है और अनेकों अमेरिकी जवान वहाँ पर जाते हैं प्रति-वर्ष कि एक या दो वर्षों के कला का प्रशिक्षण लें और कलाकारी सीखें। एक समूह अमेरिकी जवानों का था जो कुछ वर्षों पहले था, यह कहानी मुझे बताई गई थी। और जब वे वहाँ थे तो वे जंगली सूअरों की भाँति हो गये। जब वे रोम में थे तब वे उसकी तरह करते थे बाहर पीते थे, कपड़े उतार फेंकते, और बहुत कुछ करते, लड़के और लड़कियाँ सभी ऐसा करते।

218. और वहाँ कोई विद्यालय था। और इस विद्यालय में यह अमेरिकनों का समूह आया। और सभी ने वहाँ ऐसा किया। लेकिन एक छोटी लड़की, उसको सहन नहीं कर पाई। वह अंदर ही रही। रात के समय, जब वे बाहर जाते वह पढ़ती वे बाहर पीते। दिन में वह काम करती और रात को पढ़ती। ठीक वह सबके लिए हँसी का पात्र बन गई। और उसने स्वयं को एक स्त्री की भाँति रखा। यद्यपि उसके चारों ओर जवान रोमन लड़के और सब कुछ चारों ओर था और चाहते थे कि उसको वहाँ से बाहर निकालें। लेकिन उसने इंकार कर दिया। नहीं श्रीमान, वह अपने सबक, सीख के साथ सही बनी रही। चित्र बनाना तथा रंगना इत्यादि सीखती रही। और उसी में लगी रही।

219. और अंतत: एक बूढ़े रक्षक ने एक जगह से उस पर नज़र रखी कि वह उनसे अत्यधिक भिन्न है यद्यपि वह रोमन कैथोलिक है, वह उसे देखता था, कि वह किस प्रकार व्यवहार करती है। एक शाम, जहाँ पार्क था जहाँ वह स्टूडियो [कार्यशाला] थी, क्यों वह वहाँ जाती है यह जहाँ पर वह स्कूल था उसके बाहर, पहाड़ के ऊँचाई पर जाती है जब सूरज छिप रहा होता है। और वह सुंदर मुखवाली लड़की अपने लंबे लटके बालों को लहराती डूबते सूरज को देखती है।

220. वह बूढ़ा रक्षक उस क्षेत्र में उसका पीछा करता और उसको देखता और छिपकर पीछे रहता। जैसे कुछ उसे उसके पीछे जाने के लिए कहता है, ‘‘जाओ, उससे बात करो।’’ अत: वह उसके पीछे-पीछे गया और उसका पुराना हैट उतारकर वहाँ तक गया जहाँ वह लड़की गई थी। और गला साफ कर संखारते हुए कहा। वह पलटी। उसने कहा, ‘‘मुझे क्षमा करें।’’ वह बोली, जी हाँ, श्रीमान निश्चित रूप से।

221. और उसने देखा कि वह रो रही थी। बाकी लोग रात की मौज कर रहे हैं। वह बोला, ‘‘मैडम, मैं उम्मीद करता हूँ कि आप मुझे सहीतरीके से समझेंगी कि जो मैं आपसे कहने वाला

हूँ।'' उसने कहा, ''आप यहाँ दो वर्षों से हैं। और मैं ने ध्यान दिया है कि उस समूह जिसके साथ आप यही आई हैं, लगातार वे पार्टी में रहते हैं दिनरात, पीते-खाते कपड़े आधे पहने रहते है और सब प्रकार की बातें। परन्तु मैंने देखा है आप ऐसी पार्टियों में नहीं जाती हैं और समुद्र के पार देखती हैं। एक शाम जब आप यहाँ आई हैं और हर शाम यहाँ सूरज को डूबता देखती है।'' और कहा ''इसका क्या कारण है? कहा कि ''मैं एक बूढ़ा हूँ और मैं यह जानने का इच्छुक हूँ कि क्या कारण है कि आपमें और उनमें इतना अंतर है।''

222. वह बोली, ''जी हाँ, श्रीमान। मैं उस तरफ देख रही हूँ कि वहाँ मेरा घर है जहाँ यह सूरज छिपा रहा है।'' उसन कहा, ''उस सूरज के पीछे मैं अपने घर को देखती हूँ।'' और फिर उसने कहा, ''उस जगह में एक फलाँ प्रदेश है, जिसमें वह शहर है। और उस शहर में एक घर है। उस घर में एक लड़का है।'' ''वह भी एक कलाकार है। जब मैं यहाँ आने के लिए उस जगह को छोड़ती हूँ, मेरी यह प्रतिज्ञा है उसके प्रेम के प्रति। हम दोनों एक दूसरे से बंध चुके हैं।''

223. और तब उसने कहा, ''वे अन्य लोग क्या करते हैं, वो इतना मायने नहीं रखता, उसका मुझ से कोई मतलब नहीं है। वह बोली, ''मेरा वायदा है कि मैं सच्ची और सही बनी रहूँ।'' और उसने कहा, ''मैं इच्छा करती हूँ उस दिन की जब मैं महसूस करूँगी और स्वयं को उस बड़े जहाज के पंख के ऊपर जो मुझे समुद्र के पार ले कर जाएगा और मुझे वहाँ उस हवाई अड़डे पर ले जाएगा जहाँ मैं उससे फिर मिलूँगी। वह एक घर बना रहा है और हम दोनों एक साथ उस जगह में रहेंगे।''

224. और कहा, ''यही कारण है कि मैं उसी प्रकार से कार्य करती हूँ। मैं अपने वायदे के प्रति सच्ची हूँ जो कि मैंने उस लड़के से किया है। और वह भी अपने वायदे के प्रति सच्चा है जो कि उसने मुझसे किया है। उसने कहा, ''मैंने उससे सुना है कभी-कभी, और मैंने उसे लिखा है। और कहा, ''ख़त लिखना, एक दूसरे को तथा अपने वचनों में बने रहना उस दिन की प्रतीक्षा करना कि जब हम मिलेंगे।''

225. ओह! एक सच्चे मसीही के लिए यह किस प्रकार का होगा कि वह संसारिक वस्तुओं से स्वयं को दूर रखे। और किसी दिन आप बात करते हैं, फाख्ता के पंखों के विषय में उसके पंखों के ऊपर वह अपनी दुल्हन के लिए आ रहा है। वह जो संसार के साथ मूर्ख नहीं बनती है ना ही संसार की चीज़ों के साथ। वह मेमने के लहू में धोई हुई है। वह केवल उससे अपने प्रेम की प्रतिज्ञा में बंधी है। संसार के प्रति प्रेम उसके लिए मरा हुआ है। ''मेमने का विवाह आ पहुँचा है, और उसकी दुल्हन ने स्वयं को तैयार कर लिया है।''

आइए इसके विषय में एक क्षण के लिए सोचे और अपने सिरों को झुकाएँ।

226. किसी दिन, जैसा कि मैं देखता हूँ कि सूरज छिप रहा है, मैंने भी इकत्तीस वर्षों पहले प्रतिज्ञा की थी किसी से, जिसको मैंने प्यार किया था, मेरा सारा प्रेम 'उसके' लिए था। मैंने हमेशा प्रयत्न किया है कि उसके वचन को बनाए रखूँ, जहाँ कहीं भी जाऊँ। मैं जानता हूँ कि अनेकों प्रकार की रुकावटें हैं, उस दिन की प्रतीक्षा में जब वह सिय्योन का जहाज़ उड़ान भरने के लिए आएगा और हमारी आत्माओं को 'उसकी' उपस्थिति में ले जाएगा, जिसको हमने प्रेम किया और प्रतिज्ञा की कि उससे प्रेम करें।

227. आज रात्रि यहाँ पर कुछ हैं जिन्होंने कभी कोई वायदा नहीं किया है। और कुछ होंगे जिन्होंने उस वायदे को तोड़ दिया है। यदि आप आज रात्रि इस स्थिति में पाए जाते हैं, मित्रों क्यों नहीं आज आप वापिस आ जाते और अपने वायदे को नया करते? यदि आपने ऐसा वायदा नहीं किया है तो क्यों नहीं आज आप इसको करते? कहिए, ''प्रभु यीशु, मैं आपको प्यार करता हूँ।''

228. याद रखिए, यदि आपने पहले से ही इस प्रतिज्ञा को किया है और अभी तक संसार में फँसे हुए हैं मसीह इस प्रकार की दुल्हन को नहीं चाहता है। वह उसको नहीं चाहता है जो कि व्यभिचार में फँसा है। आपका सारा प्रेम केवल उसके लिए होना चाहिए। और यदि आप संसार की चीज़ों को प्यार करते हैं और संसार के फैशन परमेश्वर के प्रेम से बेहतर है तो फिर आपने खुद को उसके लिए तैयार नहीं किया है।

229. क्या आज रात्रि कोई यहाँ पर है, जब हमने अपने सिरों को झुकाया हुआ है अपने हाथों को उठाएं, कहिए, ''भाई ब्रन्हम, मेरे लिए प्रार्थना कीजिए। मैं उस प्रकार का होना चाहता हूँ। मैं दुल्हन का हिस्सा होना चाहता हूँ। और मैं जानता हूँ कि जो चीज़ें मैं करता हूँ वह मुझे नहीं करनी चाहिए। मेरे लिए प्रार्थना कीजिए। प्रभु आपको आशीष दे, मेरी भारतीय बहन। बहन प्रभु आपको आशीष दे। और आपको भाई, आपको भाई। और कोई, अन्य कोई, अपने हाथों को उठाऐं, कहें, मेरे लिए प्रार्थना करें भाई ब्रन्हम। मैं जानता हूँ कि मैं सही नहीं हूँ।

230. अब, अपने साथ ईमानदार रहें। अपने जीवन की ओर पीछे देखें। इससे पहले कि आप आगे जाएं आप पीछे देखें। देखिए, आप क्या थे। देखिए कि आपके अंदर कैसी आत्मा थी जिसने आपको बनाया। यदि आपके पास नहीं है... यदि आप मसीही होने का दावा करते हैं और आज तक भी आप संसार के साथ बंधे हैं, भाई, बहिन किस प्रकार आप अंधे बन जाते हैं यदि आप नहीं देखते कि आप गलत हैं?

231. किसी ने एक दिन कहा, ''भाई ब्रन्हम, आपको लोगों को इस प्रकार छोड़ देना चाहिए''। कहा 'लोग आपको भविषयद्वक्ता कहते है।''

मैंने कहा, ''मैं भविष्यद्वक्ता नहीं हूँ।''

232. ''लेकिन लोग ऐसा सोचते हैं कि आप हैं। आपको इन स्त्रियों को शिक्षा देनी चाहिए। इसको बताने के अतिरिक्त की लंबे बाल रखे, सही प्रकार के वस्त्र पहने और इस प्रकार की बांतें आपको ऐसा बताना चाहिए कि कैसे आत्मिक चीज़ों को प्राप्त करें।''

233. मैंने कहा, ''मैं कैसे उन्हें गणित पढ़ा सकता हूँ जबकि वह ए.बी.स. नहीं जानते था प्राथमिकताओं को नहीं जानते? एक सामान्य तौर पर आप स्वयं को साफ सुथरा करना और मसीह की दुलह्न कहलाना चाहते है। मैं यह नहीं कहता कि यह नाराज़ करनेवाला है। मैं कहता हूँ कि वह ईश्वरीय प्रेम में है।

234. जैसा मैं कहता हूँ कि इस सुबह यदि मैं आपको नदी के अंदर नाव में जाते देखूँ और आप उस बाहव की ओर जा रहे हों जहाँ नदी गिरती है और वह नाव उस पर नहीं जा सकेगी, और मैं आपके लिए चिल्लाऊँ कि आओ चलें, मैं आपको चोट नहीं पहुँचाऊँ। मैं आपको प्यार करता हूँ क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते, तो आपका जीवन खो जाएगा।

235. क्या कोई और है अपने हाथों को उठाएँ इससे पहले कि प्रार्थना हो? मैं आपको देखता जो पिछली ओर हैं। प्रभु आपको आशीष दे, आपको, आपको, आपको। आप अपनी जिंदगी को जानते हैं कि आप गलत है। आप अभी भी परमेश्वर से अधिक संसार से प्रेम करते हैं तो कहीं कुछ गलत है। स्वयं को जाँचें। बाहर के कमरों में आप अपने हाथों को उठाऐ कहें, ''मेरे लिए प्रार्थना कीजिए, भाई ब्रन्हम। प्रभु आपकोआशीष दे। प्रभु... यह ठीक है। अच्छाई में ईमानदार बने रहें। मैं आपकी ईमानदारी की सराहना करता हूँ।

236. यह क्या है जो कि पेन्तेकॉस्तल कलीसिया के साथ आज कठिनाई है? जो कि ईमानदारी आज होनी चाहिए वह नहीं है। हम दूसरों के प्रति अनादर नहीं होना चाहिए और यह मान लेना चाहिए कि हमसे गलत हुआ है। शैतान के पास चर्च को बहकाए रखने का तरीका है कि जब तक वह संसार की उस गंदगी तथा दुष्टता में न चली जाए। ऐसा न करें।

237. आपको अपनी जिंदगी यह दिखाती है कि आपके पास वह नहीं है जो कि आप कहते हैं कि आपके पास वह है। तब आप इसका इकरार क्यों नहीं करते हैं? ''वह जो कि इसका इकरार करेगा उसको क्षमा मिलेगी, वह जो कि इसको छिपाता है वह फलफूल नही पाएगा।'' आप इसको छिपा नहीं सकते है। परमेश्वर इसको जानता है। और यदि आप देखते हैं और जानते हैं कि आप सही जीवन नहीं जी रहे हैं तो आप क्यों अंगीकार नहीं करते हैं और इससे बाहर आकर साफ हो जाएँ?

238. ''कुछ लोगों के गुनाह चले जाते हैं और कुछ के उनका पीछा करते हैं''। मेरे गुनाहों को चले जाने दीजिए। मुझे आपको अभी ही यह बताने दीजिए। प्रभु को अभी सब सही कर लेने दीजिए। यही है वह जो कि हमें करते रहना चाहिए।

239. उस तरफ कुछ छ: या आठ हाथ ऊपर की ओर उठे हैं। वह, कुछ निश्चित रूप से उस छोटे चर्च में आज की रात दो या सौ से अधिक, या हो सकता है कि पचास हो। प्रभु आपको आशीष दे हे नवयुवक अब प्रभु आपको आशीष दे युवती। प्रभु आपको आशीष दे बहन। यह ठीक है, बेटा प्रभु आपको आशीष दे। यह अच्छा है।

240. [.... टेप में खाली स्थान है – सम्पादक]... कॉस्टल स्त्रियाँ अपने बालों का नहीं कटाती थी परन्तु वे आज ऐसा करती हैं। आज क्या हो गया है? उनको ऐसा नहीं करना चाहिए था, ऐसा पहनावा, तथा चेहरों का रखरखाव। आपकी माँ ऐसा नहीं करती थीं यदि वे पेन्तकॉस्तल रहीं थीं। आज ऐसा क्या है? क्योंकि आज संसार की उस गंदगी में फँस चुके हैं। और यह संसार हमारी ओर देखता है। हमें चर्च की उस पवित्रता का दावा करना चाहिए। क्या मामला है यह? हम मसीह की दुल्हन क्यों नहीं लगते? आप जो कि बाहर की ओर है भाई। आपके लिए यह शर्मनाक है।

241. स्वर्गीय पिता जब मैं क्रूस की ओर देखता हूँ और वेदी की बुलाहट को उस तरह करता हूँ जैसे धिक्कारती हुई, चीरती हुई प्रतीत होती है, बहुत कड़ी प्रतीत होती है। परन्तु मेरे अंदर लहू बह रहा होता है जब मैं जानता हूँ कि हम अंत के नजदीक जा रहे हैं। ये छोटी नावें जो कि टूटने वाली है किसी दिन मत्यू और संघर्ष दस्तक देनेवाले है। और अनेकों बार वहाँ पास मेरा जाना हुआ और उन्हें कहते सुना, "ओह, भाई ब्रन्हम, मैं इस पर फिर विजय पा सका?" तब ये सब सही तरीके से करने के योग्य हैं प्रभु।

242. मैं अपनी पूरी ताकत से कोशिश कर रहा हूँ। परमेश्वर सम्भव करे कि पवित्रात्मा इसको लोगों को प्रकाशन दे कि मैं केवल उनकी सहायता कर रहा हूँ न कि उन्हें डाँट रहा हूँ। लेकिन, जैसा पौलूस ने कहा, कि हे प्रभु मैं उनको चोट पहुँचाना नहीं चाहता लेकिन, जैसा पौलूस ने कहा, कि हे प्रभु मैं उनको चोट पहुँचाना नही चाहता लेकिन इतनी चोट जितनी उनके लिए काफी है, वे देखेंगे कि कहाँ गलत हैं।

243. मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप स्वीकार करें आज रात्रि वे लोग जो हाथ उठाए हुए हैं उस आदर भाव को लिए हुए उसको पहचानने के लिए उस परमेश्वर को सामने कि वे गलत हैं और सही होना चाहते हैं। "उसे खोजो तो पाओगे। खटखटाओ, तो तुम्हारे लिए खोल जाएगा।" लेकिन यदि तुम कभी नहीं खटखटाओगे तो कैसे 'वह' इसको खोलेगा? तुम कभी नहीं खोजोगे, तो कैसे पाओगे?

244. प्रभु पवित्रात्मा लोगों को आपके पास पूरे समर्पण के साथ ले आए। हमारे प्रभु यीशु मसीह का महान पिता उनको धोकर शुद्ध करे उनकी आत्मा, शरीर तथा प्राण को प्रभु यीशु मसीह के शरीर में सुरक्षित करें। "क्योंकि मेमने का व्याह निकट है और 'उसकी' दुल्हन ने खुद

को तैयार कर लिया है।'' ओह परमेश्वर, हो सके कि आज की रात तैयारी की रात हो, क्यों कि शायद कल के दिन हम उससे मिलेगे। हम नहीं जानते कि किस घड़ी हम उससे मुलाकात करने के लिए बुलाए जाएँ। प्रभु इसे स्वीकार करें।

245. अब जबके मैं प्रार्थना कर रहा हूँ और आप अपने सिरों को झुकाए हुए हैं। आपमें से प्रत्येक जिन्होंने अपने हाथों को उठाया हुआ है, यदि आप अत्यंत ईमानदार हैं और आपका सचमुच यही मानना है, और आप स्वयं को गलत मानने में लोगों के सामने शर्माते नहीं हैं, आप उनके साथ किसी प्रकार उस न्याय में खड़े होने जा रहे हैं। और प्रभु आपके साथ काफी न्यायसंगत है कि आप जानते हैं कि आप गलत हैं।

246. यह, कुछ समय पहले मैं कुछ इस प्रकार का प्रचार कर रहा था। मैंने एक नवयुवती को जो कि पीछे की ओर खड़ी थी, उससे कहा। वह एक मंत्री की पुत्री थी और देखने में अप्रिय लग रही थी। वह चर्च के बाहर मुझको मिली और उसने मुझे ऊपर से नीचे तक देखते हुए कहा, ''आप चीजों को अनदेखा करते है।'' उसके होंठ रंगे हुए थे छोटे बाल लड़को की तरह कटे हुए थे। उसने कहा, ''यदि मैं किसी से कहूँ कि मुझसे बात करे, इस विषय में, तो कोई भी मुझसे एक प्रकार से समझदारी की बात कर सकता है।'' और कहा ''आप कभी मेरे पिता के मंच पर इसी प्रकार का प्रचार करने दुबारा से कभी नहीं आना।''

247. मैंने कहा, ''आपका तात्पर्य यह बताने से है कि आपके पिता जो कि एक बैपटिस्ट अच्छे, ईमानदार प्रचारक हैं और उसके बाहर विपरीत प्रचार नहीं करते?''

उसने कहा, ''उन्होंने आपको यहाँ आने के लिए किराये पर नहीं लिया...''

मैंने कहा, ''उन्होंने मुझे कभी भाड़े पर नहीं बुलाया। मैं निमंत्रण पाकर आया हूँ।''

उसने कहा, ''मैं आपको इसके लिए कभी क्षमा नहीं करूँगी।''

248. मैंने कहा, ''यह आप पर निर्भर है। मैं सुसमाचार का अनुसरण करता हूँ।'' हवा में गुलाब के फूलों की महक थी। सुंदर नव युवती।

249. कुछ समय, बाद, एक वर्ष के लगभग मैं एक शहर से गुज़रा। मैंने उसी स्त्री को स्कर्ट पहने हुए सिगरेट पीते हुए सड़क पर जा रही थी।मैंने सोचा, ''यह उस भाई कि पत्नी या बेटी है।'' मैं सड़क के पार गया, देखा कि यदि मैं उसको पुकार नहीं सकता।''

250. उसने मेरी ओर देखा, अपनी सिगरेट को पीती रही और धुँआ नाक से निकालती रही। उसने कहा, हेलो प्रचारक,'' उसका व्यंग्य करने का नास्तिकपन का तरीका था।

मैंने कहा, ''ठीक ठीक है।''

कहा, ‘‘इस सिगरेट का धुँआ लो। एक आदमी बनो।’’

कहा, ‘‘क्या स्वयं पर शर्मिंदा नहीं हो?’’

251. वह अपनी निचली जेब मे से सिगरेट निकालती हुई बोली, ‘‘तब एक सिगरेट पियो।’’

252. मैंने कहा, ‘‘तुम्हारे लिए शर्म की बात है। तुम्हारे लिए शर्म की बात है कि प्रभु के सेवक को सिगरेट पीने के लिए आमंत्रित करो।’’

उसने कहा, ‘‘तब आप मेरी बोतल में से पी सकते हो।’’

मैंने कहा, ‘‘कृपया मुझसे यह सब न कहें।’’

253. मैंने उसकी ओर देखा। मैं स्वयं को रोने से रोक नहीं सका क्योंकि उसका पिता एक भला आदमी था। मैंने उस की ओर देखा। मैंने सोचा, ‘‘ओह प्रभु! वह समझती है कि उसके पास बहुत अधिक समय है।’’

254. मैंने चलना शुरु किया। मैं आँखों से आँसू बहने से रोक नही सका। मैं चलता रहा। उसने कहा, ‘‘एक मिनट रुकिए।’’

मैंने कहा, ‘हाँ सुश्री’।

255. वह वापिस आई। मुझे उससे बात करने से लगभग शर्म आ रही थी कि सड़क पर गुजरते लोगों के सामने उससे बात करूँगा। वह चलकर आई। वह बोली, ‘‘आप जानते हैं कि आपने मुझे क्या बताया था उस रात?’’

मैंने कहा, ‘‘मुझे हमेशा याद रहता है।’’

256. कहा, ‘‘प्रचारक, मैं आपको बताना चाहती हूँ कि आप सही थे।’’ उसने कहा, मैंने पिछली बार पवित्रात्मा को दुख दिया।’’ अब उस स्त्री ने जो कथन मुझसे कहा और उसको मैं अपने जीवित रहते कभी नहीं भूल सकता हूँ। उसने कहा, ‘‘वह मुझसे उस रात बात कर रहा था जो कि मेरे लिए आखिर था।’’ कहा, ‘‘मेरा हृदय कठोर था मैंने परमेश्वर की परवाह नहीं की, न चर्च की या किसी अन्य की। मैंने अपने पिता को प्रतिदिन टोकती रही। और उसने कहा कि ‘‘मैंने अपनी माँ की आत्मा को नरक में उबलते हुए देखा, जैसे कि एक पैनकेक होता है और उस पर हँसी थी। जिसने उस पवित्रात्मा को अंतिम बार दुखी किया था। इस पर विचार की जिएगा।

257. आइए, पंडुकी के पंखों पर सवार होकर घर की ओर चलें। आइए दुल्हन का रूप लें। यदि आप गलती पर हैं तो अपनी सीटों पर से खड़े हो जाऐं। यहाँ आऐ। वेदी की ओर आऐ और कहें, ‘‘मैं गलती पर था। भाई ब्रन्हम, मैं अत्यंत गुस्सैल था। या मैं बहुत नास्तिक रहा।

मुझे वह सब नहीं करना चाहिए था जो मैं करता रहा। भाई ब्रन्हम, मैंने यह किया, वो किया या अन्य कुछ। मैं अपने झूठ बोलने पर शर्मिन्दा हूँ। मैं चोरी करने पर शर्मिन्दा हूँ। या अन्य कुछ करने पर शर्मिन्दा हूँ। मैंने प्रभु की सेवा इस प्रकार नहीं करी जैसी मुझे करनी चाहिए थी। और मैं स्वयं पर शर्मिन्दा हूँ और अब मैं अपने जीवन को ठीक करना चाहता हूँ। क्या आप मेरे लिए आज रात प्रार्थना नहीं करेंगे। भाई ब्रन्हम?'' मैं ऐसा करने से बहुत खुश होऊँगा।

258. यदि परमेश्वर मेरी प्रार्थना का उत्तर देगा कि बीमारों के लिे प्रार्थना को सुने, अंधों के लिए, और दुखित या पीड़ितों के लिए। वह निश्चित रूप से एक पापी प्रार्थना को सुनेगा। क्या आप नहीं आऐंगे और दुल्हन का हिस्सा आज रात नहीं बनेंगे?'' मैं आपको आने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

259. शुक्रिया, मेरे भाई। मैं इस प्रकार के साहस की सराहना करता हूँ। जो कि आपको गलती करके उसको मानने की हिम्मत देता है। प्रभु आपको आशीष दे भाई। यहाँ खड़े होइए।

260. आपका तात्पर्य मुझे बताने का यह है कि आप अपने हाथों को उठा सके और उसमें बने नहीं रह सके? लोगों के साथ क्या हुआ? भाई क्या मामला है? लोगों के साथ क्या मामला है आज के दिन? आप कहते हैं कि आपने हाथों को उठाया कि आपसे गलती हुई, और तब आप नहीं आए? आप जानते हैं ''वह जो कि यह जानता है कि सही क्या है और नहीं करता 'उसके' प्रति यह बुरा है।'' क्या आप नहीं आऐंगे?

जबकि पियानों बजानेवाली बहन, ऑरगन बजाने वाली बहन थोड़ा संगीत बजाएँ।

261. मैं आपको निमन्त्रण दे रहा हूँ , मैं आप से पूछना चाहता हूँ कितने इस भक मण्डली में से सभा में थे जब... आप जानते है मैं प्रचारक नही हूँ मेरे पास कोई शिक्षा नहीं है।

262. नवयुवती, परमेश्वर आपको आशीष दे। यह सचमुच भली लड़की है जो ऐसा करती है। यह छोटी संगीत मंडली है यहाँ आकर गाती है ''परमेश्वर आपको आशीष दे। यह सचमुच साहस है। मैं इस नवयुवती को सराहना करता हूँ। प्रिय आपको प्रभु आशीष दे। मेरे पास भी एक बेटी आपकी तरह घर पर है। आपकी आयु की, वह रबैका है। मैं आपकी सराहना करता हूँ। छोटी भारतीय नवयुवती, प्रिय छोटी राजकुमारी सी प्रभु आपको आशीष दे। हृदय की प्रिय प्रभु आपको आशीष दे, छोटी महिला। आप छोटी बहन, प्रभु आपके साथ हो। और बहन आपके साथ हो

263. अब, इधर देखिए। यदि यह नवयुवतियाँ, छोटी लड़कियाँ, छोटी, नादान, वचन को सुनकर टुकड़ों में टूटकर जाती हैं और अंगीकार करती हैं कि वे गलत हैं और सबके सामने आकर खड़ी होती हैं और अंगीकार करती हैं। निश्चित, निश्चित रूप से आप बड़ी - बूढ़ी महिलाऐ, क्या आप नहीं आएंगी? यहाँ आइऐ, और इनके साथ खड़े हो जाइऐ।

...क्या मैं उसका चेहरा देखूँगा,

मेरी टूटी आत्मा को चंगा करिए।

मुझे बचाइए अपनी करुणानुसार

उद्धारकर्त्ता, उद्धारकर्त्ता,

सुनिए.....

264. सचमुच, आप आज्ञाकारी हैं कि आप एक विनम्र निवेदन कर सकें। ''प्रभु को पुकारें, मेरी बात सुनने की कोशिश करें। और यह देखे कि शायद कोई कभी आपमें रही हो।''

मुझे अनदेखा न करें।

प्यारी बहन प्रभु आपको आशीष दे।

265. कितने लोग हैं आप जो यहाँ खड़े है इस सभा में और देखा है श्रोताओं में स्त्रियाँ, पुरुष और सभी जो आए और यहाँ खड़े प्रार्थना कर रहे थे बीमारों के लिए, और पवित्रात्मा ने बताया उनके पापों को, और अन्य बातों को? आपमें से कितने जानते हैं कि यह बात सत्य है? कभी असफल नहीं होती। पवित्रात्मा जो कि यह मुझे बता रहा है, वही पवित्रात्मा जो कि आज रात्रि कुछ है जो कि 'उसको' दुखित कर रहा है। अब वह ''यहोवा यूँ फरमाता है'' अब यहाँ मिलेगा, यहाँ या वहाँ।

266. मैं वह व्यक्ति नहीं हूँ जो कि भावनाओं में बहा रहा हो। नहीं श्रीमान, मैं जानता हूँ सही तौर पर कि मैं कहाँ खड़ा हूँ - और मैं परमेश्वर को जानता हूँ। यह सही है। यहाँ इस जगह जहाँ यह युवतियाँ खड़ी हैं आप खड़े हो जाइए। अब, क्या आप नहीं आएंगे। मैं आपको आमंत्रित करता हूँ। मैं आपको बाध्य नहीं कर रहा हूँ। मैं केवल आपको बता रहा हूँ।

267. कोई कहता है, ''मैंने कभी वेदी से दी जाने वाली बुलावट को इस प्रकार नहीं सुना है कि जहाँ एक सेवक श्रोताओं को फटकारता है और उन बातों को इस प्रकार फटकारता हो।''

268. यही तरीका है इसको इसी प्रकार से किया जाना चाहिए। आप दिल तोड़ देने वाली कहानियों के साथ नहीं आते, कुछ माताएँ मर गई या कुछ अन्य हुआ। वह सब भावनाओं के बाहव के अन्तर्गत था। परमेश्वर का वचन वह है जिस को आप मानते हैं। आप किसी भावना के बहाव में नहीं आते। आप विश्वास करता है कि परमेश्वर ही परमेश्वर है और आप परमेश्वर के न्यायालय में हैं। और आप अपने मुकदमे की अपील लेकर आते है।

269. परमेश्वर आपको आशीष दे मेरे भाई मेरी बहिन। मैं आपसे हाथ मिलना चाहता हूँ और मैं आपके ईमानदारी किये हुए अंगीकार की सराहना करता हूँ। छोटी महिला, मैं आपकी

सराहना करता हूँ। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको बहादुरी की आत्मा दे। परमेश्वर आपको आशीष दे मेरे भाई। परमेश्वर आपके साथ हो।

270. एक बार फिर, तब हम समाप्त करने जा रहे हैं। पिछली बार भी हम समाप्त करनेवाले थे। देखिए? मैं नहीं जानता। मैं आशा करता हूँ कि यह नहीं होता लेकिन होगा। देखिए?

उद्धारकर्त्ता...

271. मेरी बहन, यहाँ आइये। मैं आपसे हाथ मिलाना चाहता हूँ धन्यवाद। मैं आपके विश्वास की सराहना करता हूँ। यह बिलकुल सही विश्वास है।

272. आप भाई, यहाँ आएँ। मैं आपसे हाथ मिलाना चाहता हूँ ठीक अभी परमेश्वर आपको आशीष दे।

273. आप यहाँ आइऐं। आपको आशीष मिले। मैं आपको...

....मेरे पास आएं,

उद्धारकर्त्ता...

274. क्या? ''मेमने का ब्याह आ पहुँचा है और 'उसकी' दुल्हन ने स्वयं को तैयार कर लिया है।''

...विनम्रता से पुकारता हूँ

जबकि...

मेरे पास से गुजर न जा [अनदेखा नकर]

क्या?

मैं केवल उसके गंभीरता से की गई दया पर निर्भर हूँ, कि उसका चेहरा देखूँगा;

मेरी घायल टूटी आत्मा को चंगा करिए जब कि शब्द मुझे कचोटते हैं,

मुझे अपनी दया से बचाइए

उद्धारकर्त्ता, उद्धारकर्त्ता,

मेरी पुकार सुन...

जबकि अन्य भी तुझे पुकारते हैं

ओह, मेरे नज़दीक से केवल गुजर न जा। [अनदेखान कर]

275. याद रखिए, कि पवित्रात्मा था जो कि आपके हृदय को काट रहा था और यहाँ लाया। उस समय के बारे में सोचिए कि जब वह आपको तोड़ रहा था और वह व्यक्ति उस गिरावट में अब नहीं जिएगा। वे सब इसको सदैव याद रखेंगे। ''यदि आपका हृदय नहीं धिक्कारता।'' परन्तु यदि आप किसी चीज़ को लेकर आते हैं परमेश्वर के वचन के अंदर और उसको आप अनदेखा कर देते है तो वह अब्राहम का बीज नहीं हो सकता। अब्राहम ने परमेश्वर का वचन निभाया था, अपने हृदय मे जो था उसका सम्मान नहीं दिया या जो कुछ हृदय में आया।

276. मैं वेदी के चारों ओर खड़े हुए लोगों की सराहना करता हूँ। मेरी प्रार्थना है आप के लिए जो आज रात परमेश्वर ने आपके हृदय में इच्छा को आने दिया। और आपको संत बनाया।

277. कुछ युवा यहाँ जो कि भारतीय, स्पेनिश तथा मैक्सिको से यहाँ चारों ओर खड़े है, और मसीही होने का दावा करते हैं, हो सकता है कुछ वर्षो से हों परन्तु देखिए यह गलत है। वे सही हो जाना चाहते हैं। ''धन्य है वे जो उसको धार्मिकता के भूखे प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे। उसकी भर्त्सना करके परमेश्वर के साथ सही रूप से इस ज्वलित वेदी जो कि परमेश्वर के न्याय की वेदी है उसके साथ सही रूप में रहने को तैयार हैं।

278. मित्रों, कहीं उससे मिना हुआ है। आपको उससे कहीं मिलना है अत: आप उससे यहाँ मुलाकात करें। सुबह हाने की प्रतीक्षा न करें। आप आज रात मारे जा सकते है जबकि यदि आप अपने घर की ओर जा रहे हो।

279. अभी डाल ही में, एक सभा में, मैंने एक वेदी पर से की जाने वाली बुलाहट को किया और मैंने ओहियो की तरह से उसको किया। और उस रात मैंने जब उस इमारत को छोड़ा, पंद्रह मिनट के बाद। कोई सड़क के किनारे चिल्लाया। मैं रूका, उस तरफ गया। एक कार की दुर्घटना हुई वह दूसरी कार के अंदर चली गई थी। और एक स्त्री वहाँ बैठी थी बेहद घबराई हुई थी। वह अत्यंन्त घबराई हुई थी उसने अपनी अँगूठी को उतार लिया। वह मारी गई थी। और वह अपने बेटी से बातें कर रही थी वह उस सड़क पर जो कि कार चला रही थी। वे उसे अस्पताल ले जाने को तैयार थे। और उन दोनों वेदी पर आना चाहिए था। और उस बेटी ने कहा, ''माँ आखिरी शब्द जो कि उसने कहे कि जब कार की टक्कर हुई। ''मैंने आज रात गलती की। मैं जानती हूँ मैंने गलती की।'' और तब उसको उसके जीवन से बुला लिया गया।

ओह! आप कहते हैं ''वह मेरे साथ घंटित नहीं हुआ।'' ये हो सकता है। ऐसा हो सकता है।

280. और क्या हो यदि पवित्रात्मा आपको फिर से न धिक्कारे और कहे कि आप गलत हैं? और आप अनंतता के बाहर उसी प्रकार निकल आऐं। और आप जानते है कि वह, उस प्रकार की आत्मा आप ऐसा नहीं कर सकते। श्रीमान, अपने जीवनों में पीछे की ओर देखें कि यदि

मधुर, नम्र मसीह का जीवन उसके सारे वचन मेल खाते हैं। और यदि ऐसा नहीं है तब इसको ठीक कीजिए। यहाँ.... क्यों, क्यों कोई विकल्प या उसके बदले कुछ और लिया जाए। जबकि आसमान असली पेन्तेकुस्त की आशीषों से भरा है आपके हृदय तथा आत्मा को शुद्ध करता है। क्या यह सही नहीं है?

281. आज रात, आप कितने सेवक यहाँ पर है? आप में से कुछ भाईयों को मैं यहाँ आने के लिए कहता हूँ। यह ठीक है भाई? हाँ। यहाँ पर आ जाइए, क्या आप एक मिनट भाई क्या आप आएंगे? यह ठीक है।

282. यीशु मसीह ने अपने वचन में कहा, ''वह जो मेरे वचन को सुनता है और विश्वास करता है, कि उसने मुझे भेजा है अनंत जीवन उसका है और वह दोषी न ठहराया जाएगा। बल्कि मृत्यू में से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका।'' संत यहुन्ना के 6 वाँ अध्याय ''और मैं उसको अंतिम दिन पुनरुत्थान के समय उठा खड़ा करूँगा।''

283. लोग, हम लोग जो यहाँ खड़े हैं। हमें यह करना चाहिए। यह होना चाहिए। तो यह... यह भाव आवेश नहीं है। भावनाऐं उसमें हो जाती हैं। यह ठीक है ऐसा होता है। लेकिन जिसको होना चाहिए वह यह बात हैकि हृदय की पवित्रता।

284. परमेशव्र का वचन लेकर कहिए, ''प्रभु मैंने गलती की हैं। मुझे क्षमा करिए मैंने ऐसा किया है। आप मेरे हृदय को जानते हैं मैंने गलती की है। अभी इसी प्रष्ठभूमि पर मैं अंगीकार करता हूँ कि मैं गलत हूँ। और आज रात्रि से, हमेशा तक मैं आपके साथ बँध गया हूँ। मैं दुल्हन का हिस्सा हूँ। मैं ऐसा फिर कभी नही करूँगा।र मेरे मिज़ाज को फिर कभी छूटने न दें। मैं एक स्त्री की तरह व्यवहार रखूँगी। मैं एक सज्जन पुरुष की तरह व्यवहार करूँगा। मैं वैसा करूँगा जैसा पवित्रशास्त्र करने को कहता है। मैं आपके वचन को अभी लेता हूँ'' तब आप कहीं स्थिर हो पाऐं हैं।

285. आप विश्वास करते हैं कि सुसमाचार प्रचार किया गया? [सेवक कहते हैं, ''आमीन'' – सम्पादक] क्या यह सच है? [''आमीन''] यह सच है।

286. अब, आइए अपने सिरों को प्रार्थना में झुकाऐं। आप में से प्रत्येक अपने हृदयों के अंदर अपने तरीके से प्रार्थना करें।

287. याद रखिए, आपके आस-पास मसीह है। आपके सामने, वेदी के ऊपर मसीही प्रार्थनाऐं कर रहे हैं। पीछे की ओर सुसमाचार प्रचार प्रार्थनाऐं कर रहे हैं। अब यह आपको प्रार्थना के वातावरण में रखता है।

288. अब, आपका अंगीकार आपके हृदय में अपने रूप से करते हुए। ''प्रभु में गलती करता रहा।'' [वे जो वेदी पर हैं कहते हैं, ''प्रभु मैं गलती करता रहा''– सम्पादक] ''मैं

आपसे क्षमा चाहता हूँ।'' [''मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ''] ''मैं अब अपने पापों का अंगीकार करता हूँ'' [''मैं अब अपने पापों का अंगीकार करता हूँ''] ''मैं आपका विश्वास करता हूँ'' [''मैं आपका विश्वास करता हूँ''] ''मैं दुल्हन का भाग बनना चाहता हूँ'' [''मैं दुल्हन का भाग बनना चाहता हूँ''] ''प्रभु यीशु के नाम से प्रार्थना करता हूँ।'' [''प्रभु यीशु के नाम से प्रार्थना करता हूँ''] अब आप अपने अंगीकार को हृदयों में रखें।

मैं आपके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ।''

289. स्वर्गीय पिता यह कभी कभी मुझे कितना दु:ख देता है जब मैं लोगों को देखता हूँ कि वो मुझे कितना प्यार करते हैं। और देखता हूँ कि आप किस प्रकार वचन को ग्रहण करते हैं और यह कैसे आता है। वह हड्डी और गूदे को वार-पार काटता है, परन्तु तब आप ठीक जगह पर आते हैं और यह सत्य के लिए स्वतंत्र करता है। यह सच है।

290. यहाँ स्त्री और पुरुष यहाँ तक की छोटी महिलाऐं, छोटी लड़कियों सिरों को झुकाकर खड़ हुई हैं और उनकी आँखों में आँसू है ठीक उस समय जब वह जीवन के दोराहे पर खड़े है। मैं सोचात हूँ कि कैसे वे उस धुमाव को, रौक-एण्ड-रोल, दुष्टात्मा के द्वारा सताया हुआ, बीमारों की प्रेतात्माओं का सताया हुआ होने पर वे उसके साथ कैसे समाप्त कर सकते हैं। यहाँ वे सब, आज रात्रि खड़े है और हृदय झुके हुए है, और ऐसा कुछ चाहते हैं, कि वे अपने हाथ खड़े करके कहें कि ''प्रभु परमेश्वर, मुझे संसार की सारी चीज़ों से शुद्ध करें।''

291. यहाँ वह अधेड़ उम्र के पुरुष, युवा-पुरुष, बूढ़ी स्त्रियाँ जवान स्त्रियाँ सब एक साथ खड़े हैं। वे अंगीकार करते हैं कि वे गलते हैं। अपने उनके हृदय से बात करी वे, यहाँ नहीं आ पाते। यह दिखाता है कि वे अपनी कुर्सियों से उठकर उस निश्चय को कर पाते जो कि पहले से किया जाना था। परमेश्वर का आत्मा ही उनके चारों ओर था और कहा ''आप गलत हैं।''

और उनकी छोटी जिंदगियाँ, जिन्होंने कहा ''परमेश्वर मैं आपको चाहता हूँ।''

और शैतान ने कहा, ''बैठे रहिए।''

292. परन्तु परमेश्वर ने कहा, ''उठो'' और उसकी आज्ञा से वो चलकर वेदी पर खड़े हुए।

293. अब, जैसा कि मैंने उल्लेख किया है आपके अपने शब्दों को कि ''वह जो मेरे पास आता है, मैं उसमें होऊँगा और किसी तरह छोड़ नहीं दूँगा। ''चाहे तुम्हारे पाप अर्गवानी रंग के हो वे हिम की तरह श्वेत हो जाऐंगे। गहरे लाल रंग तो ऊन की तरह सफेद हो जाऐंगे। आओ, आकर मुझसे दाखरस और तेल मोल ले लो। मेरी दया ही काफी है। वह जो मेरे शब्दों को सुनता है और 'उस' पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है उसके पास अनंत जीवन है उस पर दंड की आज्ञा नहीं और वे मृत्यू से पार होकर जीवन पा गया। और अब मेमने का विवाह आ पहुँचा है और दुल्हन ने खुद को तैयार कर लिया है।''

294. पिता ये आपके हैं वे आपके विजेता के पदक हैं। वे यहाँ है कि वचन के पानी से धोए जाएँ क्योंकि यह पूर्ण सुसमाचार है। यह अन्य कुछ नहीं है। यह छोटा रूप है। प्रारम्भिक स्थान के लिए। यह उन जड़ों को खोखला करता है जो कि कड़वाहट की जड़ें है, विभिन्नताओं को जड़े हैं, संसारिकता को जड़े हैं। खोद कर बाहर निकालना है, हे प्रभु, हे पवित्रात्मा, लोगों में से उन्हें निकाल दीजिए।

295. आज मैं उनको आपके दावा करता हूँ। यीशु जैसा कि यह आपकी अपनी सम्पत्ति है जैसे कि वे आपके मुकुट के हीरे हो, जैसे कि वे आपकी दुल्हन के सदस्य हों। मैं उनके जीवनों के लिए दावा करता हूँ।'' मैं आपसे इन सेवकों के साथ, जीवित परमेश्वर के सेवकों के साथ, अपने पूरे हृदय से प्रार्थना करता हूँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि उनको आप उनसे ले लीजिए प्रभु, जो कि इस संसार में हैं और उनको हिम्मत दीजिए कि वो शैतान का सामना करने खड़े हो सकें। प्रभु इसको स्वीकार कीजिए। हम विश्वास करते है कि आप ऐसा करेंगे। आपने कहा, ''पिता से मेरे नाम से कुछ भी माँगो, मैं उसे करूँगा।'' अब, आपने कभी नहीं कहा, ''ओह शायद, मैं इसे करूँगा''। आपने कहा, ''मैं इसे करूँगा''। और मैं विश्वास करता हूँ कि यह सच है।

296. यह भी पवित्रात्मा में लिखा है ''मेरे नाम से वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे''। यह दुष्टात्मा ही है जो कि एक युवती को ले लेता है या स्त्री को ले लेता है और उनके जीवनों को तहस – नहस कर डालता है। यह दुष्ट ही है जो एक पुरुष के जीवन को नष्ट करने के लिए ले लेता है। और मैं छोटी घटना का ज़िक्र करूँगा इस प्रार्थना को करते हुए। और मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप उसे सुनेंगे और उत्तर देंगे कि इनमें से प्रत्येक आज रात्रि उस राज्य के कीमती नग होने के लिए दावा किए जाऐं। और वे यहाँ मेरे साथ खड़े हैं और यीशु मसीह में अपनी स्थिति को लेना चाहते हैं।

297. अब, शैतान तूने उसको खो दिया है। कुछ को तूने ले लिया परन्तु तूने यह युद्ध नहीं जीता है। यीशु ने कहा, ''वह जो मेरे पास आता है मैं उसे त्यागूँगा नहीं।''

298. शैतान, मैं तुझसे कहता हूँ कि एक दिन एक छोटा लड़का जो अपने पिता को भेड़ें चराता था। और एक शेर वहाँ आया औरुनमें से एक को ले लिया, ले गया दुष्टता से रहस्यमयी ढंग से और उसको खा लेना चाहता था। परन्तु यह सच्चा छोटा चरवाहा जिसके पास कुछ अधिक नहीं बल्कि गोफन थी परन्तु जीवित परमेश्वर पर उसका विश्वास था। वह उस शेर के पीछे गया और उसको पकड़ा और फाड़ डाला। उसने उसके मुँह से अपना भेड़ को छुड़ाया और अपनी चरागाह में उसको चंगा करने के लिए ले आया।

299. आपने प्रभु इन कीमती भेड़ों के ले लिया है, इन स्त्रियों को जो कि अपने बालों को पुरुषों की तरह कटाने के लिए और अपने ऊपर मेकअप को लगाते हैं और ऐस लगते हैं जो कि

ऐसी बातें करते हैं जिनकी पवित्र शास्त्र भर्त्सना करता है तूने उनको अपने लिए ले लिया है परन्तु मैं इस छोटे, प्रार्थना के गोफन को लेकर आता हूँ। मैं उनको आज रात्रि वापस लेकर आता हूँ। तू उनको अधिक देर नहीं रख सकता। तू युद्ध हार गया है। यह बहुमूल्य पुरुष यहाँ खड़े हैं परमेश्वर की भेड़े हैं। उनको स्वतंत्र कीजिए। हम प्रभु यीशु मसीह के नाम में यहाँ से अलग होते हैं। मैं उन आदतों को, उन स्वभाव को और उस गंदी हृदय की बातों को जो कुछ भी वो हों उनके स्थान पर यीशु मसीह का लहू लगाते हैं। और विश्वास से उसको फिर करते हैं। तू उनको फिर से पकड़ नहीं सकेगा। वे पिता की चरागाह में हैं। वे 'उसके' बच्चे हैं। उनको उससे दूर रख। इसको मैं प्रभु यीशु मसीह के नाम से भाँगता हूँ।

300. कोई दुष्ट नरक से आपको छू नहीं सकता। यदि आप उस का विश्वास करते हैं। आप लहू से ढाँप दिये गये हैं। आप चारों ओर से प्रार्थनाओं से घिरे हुए हैं सुसमाचार के प्रचारकों, वाचा के सुसमाचार के प्रचारकों की प्रार्थनाओं से। आप में से प्रत्येक जो यहाँ खड़े हैं, यहाँ आए हैं यह जानते हुए कि आपकी आदतें क्या थीं, क्या गलतियों थी, जिनसे आप शर्मिन्दा हुए। यदि आप अब उनको बिना किसी शर्म के परमेश्वर की न्याय की वेदी पर अंगीकार करते हैं कि आपकी क्षमा हो, वह मसीह आपको दे देता है, आपके विश्वास से वह आपको मौका देता है कि आप हाथों को उठाऐं, कहें ''मैं अब इसे ग्रहण करता हूँ। वह जा चुका है। और आज से हमेशा, मैं फिर इसे नहीं करूँगा? आप यीशु मसीह के लहू के द्वारा बचाए गए हैं। आमीन, आमीन। परमेश्वर की तारीफ हो।

क्या कोई और है जो इस समूह के साथ आना पसंद करेगा?

301. क्या कोई इस जगह बीमार है? जो कि प्रार्थना के लि अभी इसी समय खड़ा होना चाहेगा। खड़े हो जाइए।

302. मैं आप में से प्रत्येक को चाहता हूँ, यहाँ जो कि यदि किसी सम्पूर्ण सुसमाचार के चर्च के सदस्य नहीं हैं तो किसी एक या इस चर्च में जाएँ और यदि कि आप यहाँ से नजदीक रहते हैं। पादरी के पास जाऐं और बपतिस्मा लें। और फिर यदि आपने पवित्रात्मा को ग्रहण नहीं किया है तो प्रार्थना करे, परमेश्वर आपको पवित्रात्मा देगा और भर देगा। और दुल्हन का भाग बना लेगा।

303. दूसरी ओर उन भाइयों को देखिए जो कि बीमारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। दुष्ट उनको अधिक धेर कर नहीं रखेगा। यह उसका छोड़ कर जाने का समय है। हल्लेलूय्याह! क्या आप इसका विश्वास करते हैं? कलीसिया कहती है ''आमीन'' सम्पादक]

आइएं, फिर हम ंपने सिरों को प्रार्थना में झुकाएँ।

304. और बाहर सभी लोग जिनको बीमारी है आप जो कि खड़े हुए हैं, अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें। यीशु मसीह ने कहा, ''जो विश्वास करते हैं उनके यह चिन्ह होंगे। यदि वे अपने हाथों को बीमारों पर रखेंगे, तो वे बीमार चंगे हो जाऐंगे।'' एक दूसरे पर हाथों को रखें। अब आप अपने लिए प्रार्थना न करें। दूसरे व्यक्ति जो आपसे अगला व्यक्ति हो जिस पर आपने हाथ रखा है उसके लिए प्रार्थना करें। क्योंकि वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

अब एक मसीही कलीसिया की तरह प्रार्थना करें।

305. परमेश्वर, यीशु मसीह, हम आज की विजय के लिए आपके आभारी हैं कि आत्माऐं आपके पास आई। दुष्ट आपकी कुछ भेड़ों को [बीमारी के रूप का] छोड़ कर भाग गया है। आप उनके वापिस आने का दावा करते हैं। और एक जीवित परमेश्वर के चर्च के रूप में हम दुष्ट को डॉटते हैं और कहते है कि शैतान इन बीमार लोगों को छोड़कर चला जा। हम यीशु मसीह के नाम में समाप्त करते हैं कि वे चंगाई को प्राप्त करेंगे। और बाइबल कहती है ''विश्वास करने वालों के ये चिन्ह होंगे। यदि वे अपने हाथ बीमारों पर रखेंगे तो बीमार चंगे हो जाएंगे।'' यह अच्छा वायदा है और हम जानते है कि यह सच है। वे यीशु मसीह के कोड़े खाने से चंगे हो गये।

306. अब यदि आप इस बात का विश्वास करते हैं तो अपने हाथों को उठाकर उसकी प्रशंसा करें।

307. ठीक है पादरी साहब, अब आपका समय है। भाई परमेश्वर आपको आशीष दें। आपके साथ आज रात्रि होने के लिए अच्छा लगा। परमेश्वर आपके साथ हो।

यहाँ परे बैठे भाइयों को परमेश्वर आशीषित करें।

मेमने का विवाह

THE MARRIAGE OF THE LAMB

62-0121E Vol. 40-6

यह संदेश भाई विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा 21 जनवरी 1962 को रविवार की शाम ''फैलोशिप'' आराधनालय फीनिक्स, अरिज़ोना संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचार किया गया। इस टेप जिसका नं 62-0121E की अवधि दो घंटे 5 मिनट है। मौखिक संदेश से चुम्बकीय टेप पर स्थानांतरित करते समय ठीक वैसा ही छापने का प्रयास किया गया है, और बिना किसी काट-छाँट किए यह संदेश Voice of God Recordings के द्वारा छाप कर निशुल्क बाँटा जाता है।

©2005 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.

VOICE OF GOD RECORDINGS INC.

--------------------India Office-----------------------

No 28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034, South India

Phone : 044 - 2827 4560 / 044 - 2825 1791

E-mail : india@vgroffice.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org